# हरियाणा विधान सभा

# की

# कार्यवाही

## 25 नवम्बर, 1986

**खण्ड 3, अंक 1**

**अधिकृत विवरण**

**विषय सूची**

**मंगलवार, 25 नवम्बर, 1986**

**पृष्ठ संख्या**


| | |
|---|---|
| सदस्य द्वारा शपथ/प्रतिज्ञान | (1)1 |
| शौक प्रस्ताव | (1)3 |
| तारांकित प्रश्न एवं उत्तर | (1)18 |
| अंताराकित प्रश्न एवं उत्तर | (1) 42 |
| अध्यक्ष द्वारा घोषणा, | |

| | |
|---|---|
| (1) पैनल आफ चेयरमन | (1) 43 |
| (2) कमेटी आन पैटीशंज | (1)43 |
| अनुपस्थिति की अनुमति | (1) 44 |
| सचिव द्वारा घोषणा– | |
| कांस्टीच्यूशन (54वीं अमैंडमैंट ) बिल, 1986 की रैटीफिकेशन संबंधी | (1) 44 |
| बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट | (1)45 |
| सदन की मेज पर रखे गए /पुनः रखे गए कागज–पत्र | |
| (क ) सिंचाई तथा बिजली मत्री द्वारा | (1) 47 |
| (ख) सचिव द्वारा | (1) 48 |
| (ग) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा | (1) 48 |
| वर्ष 1986–87 के लिए सप्लीमैंटरी एस्टीमेटस (रहली किश्त ) पेश करना | (1) 50 |
| एस्टीमेट्स कमेटी की वर्ष 1986–87 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेटस (पहली किश्त ) पर रिपोर्ट पेश करना | (1) 50 |
| ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलो संबंधी प्रिविलेजिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पेश करना तथा अन्तिम | |

| | |
|---|---|
| रिपोर्ट पेश–कहने के लिए समय बढ़ाना– | |
| (1) 24– 5– 1982 को राज भवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने कें लिए चौधरी देवी लाल, एम० एल० ए० के विरुद्ध. | (1) 50 |
| (2) 24–6– 1982 को सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के अवसर पर उनके कथित अवचार संबंधी चौधसे देवी लाल, एम० एल० ए ० कें विरुद्ध | (1) 51 |
| (3) चौधरी हरद्वारी लाल, भूतपूर्व. उप–कुलपति, महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक के विरुद्ध | (1) 52 |
| (4) 16–9– 1985–के दैनिक इंडियन' एक्सप्रैस मे छपे एक समाचार के संबंध में डा० भीम सिंह दहिया, एम० एल० ए० के विरुद्ध | (1) 52 |
| बिल्ज (इन्ट्रोडयूस्ड–सदन की अनुमति से ) | |
| (1) दी हरियाणा सीलिंग आन लैंड–होल्डिंग्ज (अमैंडमैंट ) बिन, 1986 | (1) 53 |
| (2) दि पंजाब एग्रीकल्चर प्रोडयूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 | (1) 54 |

| | |
|---|---|
| (3) दि हरियाणा डिवैल्पमैंट एंड रैगूलेशन आफ अर्बन एरियाज (अंमैंडमैंट ) बिल) 1986 | (1) 54 |
| (4) दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगूलेशन एण्ड डिवैल्पमैंट ) अमैंडमैंट बिल, 1986,. | (1) 55 |
| (5) दि हरियाणा फोरैस्ट डिवैल्पमैंट (रिपील ) बिल, 1986 | (1) 56 |
| (6) दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (थर्ड अमैंडमैंट) बिल, 1986 | (1) 56 |
| (7) दि हरियाणा कोआप्रेटिव 'सोसाइटीज (थर्ड अमैंडमैंट ) बिल, 1986 | (1) 57 |
| (8) दि पंजाब लैड रैवेन्यू (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1986 | (1) 58 |
| (9) दि हरियाणा लैड होल्डिंग्ज टैक्स (रिपील ) बिल, 1986 | (1) 58 |
| (10) दि इडियन स्टैम्प (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 | (1) 59 |
| (11) दि इंडियन इलैक्ट्रिसिटी (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1986 | (1) 59 |

# हरियाणा विधान सभा

## मंगलवार 25 नवम्बर 1986

विधान सभा की बैंठक हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन सैक्टर 1, चण्डीगढ मे 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिह ) ने अध्यक्षता की ।

## सदस्य द्वारा शपथ/प्रतिज्ञान

**श्री अध्यक्ष :** आनरेबल मैम्बर अब बाई इलैक्शन मे इलैक्ट हुए मैम्बर्ज की ओथ गफ अफरमेशन अकार्डिग टू कांस्टिच्यूशन होगी ।

I call upon Chaudhri Devi Lal, who had been elected in the bye-election from 31 Meham Assembly Constituency of the Haryana Legislative Assembly held' on the 25th September; 1985, to make and subscribe the oath/affirmation.

(चौधरी देवी लाल मदन में उपस्थित नही थे )

Now I call upon Chaudhry Lal, Hon'ble Chief Minister, who has been returned in the bye-election from 67-Tosham Assembly Constituency of the Haryana Leaislative Assembly held on the 23rd November 1986to make and subscribe the oath/affirmation, as member of the House.

Chaudhri Bansi Lal then made the prescribed oath/affirmation of allegiance to the Constitution signed the

Roll of Members and took his seat, (Thumping).

**सिचाई तथा बिजली मन्त्री ( चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला ) :** स्पीकर साहब, मैं आपकी इजाजत से कुछ अर्ज करना चाहता हू । सदन के मैम्बरों के लिए, खास तौर से जो ट्रेजरी बैचिंज के सदस्य है उनके लिए यह बहुत ही ज्यादा खुशी का मौका है । चौधरी बंसी लाल की जो इस हाउस के लीडर है और स्टेट के मुख्य मंत्री भी हैं, एक रिकार्ड –तोड़ वोटों की गिनती से तोशाम विधान सभा हल्के से चुनाव जीत कर आए हैं और आपने उन्हें अभी शपथ दिलाई है । चौधरी बंसी लाल जी की जीत का जो रिकार्ड गै, उसका शायद ही पूरे देश में दूसरा कोई सानी हो । 80 हजार से ज्यादा वोटों के रिकार्ड से विधान सभा के इलैक्शन को जीतना एक ला मिसाल बात है यहां कामयाबी इस बात की प्रतीक है कि न सिर्फ तोशाम विधान सभा हल्के के वोटर्ज बल्कि हरियाणा प्रान्त की तमाम जनता चौधरी बंसी लाल जी की कार्यप्रणाली से और स्टेट की डिवैल्पमैंट के लिए इनके काम करने के ढंग' से बहुत खुश है । जब ये पहली बार यहां के मुख्य मंत्री थे तब और पिछलो 6 महीनों में जो इन्होंने स्टेट की सेवा की है, यह उसका एक बड़ा भारी' रिफ्लैक्शन है तथा लोगों की भावनाओं का प्रतीक है । इस प्रान्त में जो बहुत से व्यक्ति और पार्टियां जातपात की बात करके लोगों को आपस में लड़ाकर, टकराव पैदा करके व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए काम कर रही हैं उनके खिलाफ भी यह एक बड़ा भारी वोट है । स्टेट के लोगों की क्या इच्छा है, तोशाम विधान सभा का चुनाव

उसका एक ट्रैन्ड सैटर है । आने वाले समय में लोग क्या चाहते हैं, उनकी क्या भावना है, उसको यह जाहिर करता है । चौधरी बंसी लाल जी इस हल्के से चौथी बार कामयाब हुए हैं । 4 बार विधान सभा का चुनाव इन्होंने इस हल्के से लड़ा और हर बार पहले से ज्यादा वोट्स लेकर कामयाब हुए । इनका इस बार का जो रिकार्ड है, इसको ये स्वयं भले तोड़ वरना कोई और इसे तोड़ दे इसकी कोई गुंजाइश या चान्स नहीं है । दो बार चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी भी दस हल्के– से कामयाब हुए हैं लेकिन उन्हें भी इतनी वोट्स नहीं मिली थीं । पिछले पार्लियामैंट के चुनाव में जब चौधरी बंसी लाल जी भिवानी से, जिसमें तोशाम विधान सभा हल्का भी शामिल था, कामयाब होकर हिन्दुस्तान की पार्लियामैंट में गए थे तब भी पार्लियामैंट के लिए जो दूसरे लोग चुनकर आए थे, जिनमें कई मुख्य मंत्री और भूतपूर्व मुख्यमंत्री शामिल थे, उन सबसे ज्यादा बहुमत से ये जीत कर गए थे । स्पीकर साहब, जिस तरह से तोशाम के लोगों ने चौधरी बंसी लाल जी को सफलता दी है, कांग्रेस पार्टी को सफलता दी है, उसके लिए मैं समझता हूं सदन के सारे मैम्बरान जहां चौधरी बंसी लाल जी को बधाई देते हैं, वहां तोशाम हल्के के वोटरान को भी बड़ी भारी मुबारिकबाद देते हैं और बधाई भी देते हैं ।

**श्री लछमन सिंह (कालका ) :** स्पीकर सर, मैं अपनी तरफ से और अपनी कास्टिचुऐंसी के लोगों की तरफ से चौधरी बंसी लाल जी को इनकी लामिसाल कामयाबी पर हार्दिक बधाई

देता हूं । जैसा सुरजेवाला साहब ने कहा, इसमें कोई शक की बात नहीं है कि देश के अन्दर जितनी भी स्टेटस हें, उन सबके लैजिसलेटर्ज ने पिछले 35–40 वर्ष के असे में आज तक कभी भी इतनी बहु गिनती से कामयाबी हासिल नहीं की जितनी कि चौधरी बंसी लाल जी ने की है । मुझे यह कहने में भी कोई हिचकिचाहट नहीं है कि चौधरी बंसी लाल जी ने सारे देश के लैजिस– लेटर्ज में विकटरी का गोल्ड मैडल हासिल किया है । यह एक बहुत बड़ी जीत है । यह तोशाम के पिछड़े हुए इलाके के लिए, जहां मेरे हल्का कालका की तरह पीने के पानी की किल्लत थी, और सड्कों की भी बहुत कमी थी, आपके प्यार, प्रेम और मेहनत का सिला है । मुझे इस बात का दु:ख और अफसोस है कि आपके बाद यहां आने वाले हुक्मरानों ने उस इलाके को उस जगह पर लाकर खड़ा कर दिया था, जिस जगह पर वह 1977 में था । 8–9 सालों में वहां कुछ नहीं करवाया गया । अब मुझे उम्मीद है कि चौधरी बंसी लाल जी की रहनुमाई में न सिर्फ वह इलाका बल्कि सारा हरियाणा तरक्की करेगा ।

स्पीकर सर, कुछ लोग कहते है कि पंजाब अकौर्ड से हरियाणा को लौस है लेकिन ऐसी बात नहीं क्योंकि इसे अब वे लोग भी नहीं मानते जिन्होंने इसे साईन किया था । इसका अब कुछ होने वाला नही है । वे लोग चौधरी बसी लाल जी की जीत को ध्यान में रखें । यह एक ट्रैन्ड सैंटर भी हो सकती है और चार–पांच महीनों में आने वाले इलैक्शंज के लिए एक चेतावनी भी

है । तो मैं ज्यादा न कहते हुए चौधरी बंसी लाल जी को एक बार फिर बधाई देता हूं और यह महसूस करता हूं कि इस चुनाव ने इनके ऊपर एक बहुत बड़ी जिम्मेवारी डाली है क्योंकि इन्हें सारे हरियाणा की डिवैल्पमैंट के लिए दिन रात काम करना है । स्पीकर साहब, ये जात–पात में विश्वास नहीं करते । परसों इसके ऊपर जब डिसकशन होगी तो मैं बताऊंगा कि कैसे इन्होंने हरियाणा के अन्दर जात–पात की जो बीमारी चल रही थी उसको दबाया है और दूर किया है । माइन्योरिटी कम्युनिटी के लोग इनके बहुत मश्कूर हैं । इनका काम करने का अपना ही तरीका है । मुझे उम्मीद है कि ये दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे और हरियाणा की डिवैल्पमैंट का काम करके उसे नम्बर दो से नम्बर एक पर लाएंगे । इन शब्दों के साथ मैं एक बार फिर इन्हें बधाई देकर अपनी जगह लेता हूं ।

**सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी ) :** स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी को बे–मिसाल कामयाबी मिली है । सवा 98 परसैंट वोट्स इन्हें मिले हैं और पौने दो परसैंट वोट्स सारी अपोजीशन को मिले हैं । इतनी शानदार कामयाबी तो आज तक देखने में नहीं आई । इसकी वजह इनका दृढ़–विश्वास है । ये जो कहते हैं, वही करते हैं । यह वहुत बड़ी बात है । आपकी जीत से कांग्रेस पार्टी, हरियाणा की सरकार को ताकत मिली है और प्रधान मंत्री राजीव गांधी जी ने जिस विश्वास के साथ आपको मुख्य मंत्री बना कर यहां भेजा था, उस विश्वास को आपने

पूरा किया है । मैं जानता हूं कि आपके दुबारा एम ० एल ० ए ० बनकर मुख्य मैली पद पर बने रहने से लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है । स्पीकर साहब, 3 अगस्त को चौधरी बसी लाल जी अम्बाला आए थे । हमने बहुत सारी मांगें इनके सामने पेश की थीं । इन्होंने कहा था कि 31 दिसम्बर तक अम्बाला को पानी दे देंगे लेकिन बड़ी खुशी की बात है कि 19 अक्तुबर को, अढ़ाई महीने पहले पानी दे दिया गया । कई लोग बात कहने में यकीन रखते हैं लेकिन ये काम करने में यकीन रखते हैं । मैं इन्हें तथा उस हल्के के लोगों को, जिन्होंने इन्हें कामयाबी दिलाई है, अपनी तरफ से, अपने हल्के की तरफ से और जिला कांग्रेस कमेटी की तरफ से हार्दिक वधाई देता हूं ।

## शोक प्रस्ताव

**श्री अध्यक्ष :** आनरेबल मैम्बर्ज, अब शोक प्रस्ताव होंगे ।

**मुख्य मन्त्री ( श्री बंसी लाल ) :** जनाब स्पीकर साहब, हमारी असैम्बली के पिछले इजलास से लेकर इस इजलास के अरसे के बीच हमारे कुछ साथी हमको छोड़ कर चल बसे हैं । मैं उनके लिए औबीच्युरी रैज्योलूशन पेश करता हूं ।

**Babu Jagjivan Ram, former Deputy Prime Minister**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Babu Jagjivan Ram, former Deputy Prime Minister, on July 6, 1986.

Babu Jagjivan Ram was born on April 5, 1908 at Chandwa in Bihar. He began his public life as an earnest worker fighting for the uplift of Harijan community. He had been President of several trade unions and was President of All India Depressed Classes League during 1936-1946. Babu Jagjivan Ram played an active role in the Freedom Struggle of. India and was imprisoned in 1940 and again in 1942. during Quit India Movement. In 1946, he was invited by the British Cabinet Mission to present the views of depressed classes.

Babu Jagjivan Ram was a member of Bihar Legislative Council from 1936 to 1940 and remained. Parliamentary Secretary during 1937-39. He was member of Central Legislative Assembly from 1946 to 950 and of the Provisional Parliament from 1950 to 1952. He had been member of Lok Sabha since 1952 and Cabinet Minister from 1946 to 1977, except for a brief period of 28 months, when he resigned under Kamraj Plan to work for the Party. During his tenure as Cabinet Minister, he held important portfolios like Defence, Agriculture, Irrigation, Labour, Communications, Railways etc. During Janata Party regime, he was again made Minister for Defence and also came to occupy the post of Deputy Prime Minister. He was recently appointed head of an advisory group on Punjab by Prime Minister, Mr. Rajiv Gandhi.

In his death, the country has lost a veteran freedom fighter, a seasoned parliamentarian, an able administrator and a crusader for the cause of the downtrodden.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

**Shri Cooverji Hormusji Bhabha, former Union Commerce Minister**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Cooverji Hormusji Bhabha, former Union Commerce Minister, on June 29, 1986.

Shri Bhabha was born on July 22, 1910. He was Fellow and Lecturer in Banking Law and Practice in Bombay. He was Commerce Member of the Interim Government of India in September 1946. He was again Minister for Works, Mines and Power in Government of India in 1947.

He was the leader of the Indian Delegation and Vice President at World Trade Conference held in Havana in November 1947. He was the Chairman of the Indian Banks Association and the National Shipping Board. He held key posts in various reputed companies.

In his death, the country has lost an able administrator, a distinguished economist and a seasoned parliamentarian.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

**Shri Chandra Shekhar Singh, Union Minister of State**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Chandra Shekhar Singh, Union Minister of State, on July 9, 1986.

Shri Chandra Shekhar Singh was born on August 17, 1927. He took part in Quit India Movement of 1942 and remained General Secretary of Bihar Student's Congress in 1947.

He was member of Bihar Legislative Assembly during 1952-62, 1969-77 and 1983-85. He was a Cabinet Minister in Bihar during 1969-75. He was the Chief Minister of Bihar from 1983 -to 1985. He was elected to Lok Sabha in 1980 General Elections and was again elected as member, Lok Sabha in by-election held in December 1985. He was Minister of State for Energy in 1983, Minister of State for Supply and Textiles in. 1985 and Minister of State for Petroleum and Natural Gas since 1986.

In his death, the country has lost a veteran freedom fighter, a seasoned parliamentarian and an able administrator.

The. House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

**Shri T. Anjiah, former Union Minister of State**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri T. Anjiah, former Union Minister of State, on October 18, 1986.

Shri T. Anjiah was born in 1929 in Andhra Pradesh. He gave up studies in 1942 in response to the. call by Mahatma Gandhi during Quit India Movement. An established trade union leader, Shri Anjiah remained member of Andhra Pradesh Legislative Assembly during 1957-1978. He was inducted in State Cabinet in 1972 as Minister for Labour and

Employment. He was elected to Rajya Sabha in 1978. He remained Union Minister for Labour from 1978 to 1980. He was Chief Minister of Andhra Pradesh during 1980-1982. He returned to Centre as Minister of State for Labour in 1985. In January 1986 he was appointed General Secretary of AICC(I).

In his death, the country has lost a trade union leader and a seasoned parliamentarian. The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

**General Arun Sridhar Vaidya, former Chief of Army Staff**

This House places on record its deep sense of sorrow on the brutal assassination of General Arun Sridhar Vaidya, former Chief of Army Staff on August 10, 1986.

General Vaidya was born on January 27, 1926. After completing his education in Bombay he joined as subaltern in the Royal Deccan Horse in Burma.

General Vaidya, the most highly decorated officer in the Army was commissioned on January 20, 1945 in the armoured corps. Known as an expert in combat strategy, he held many regimental and staff appointments during his 41 years of distinguished service. He was Brigadier Major of an Infantry Brigade in Ladakh in 1962 and commanded "The Thccan Horse" during 1964-66. He was Director, Military Operations during 1974-76 and Chief of Army Staff, Southern Command during 1976-1978. He was GOC-in-C, Eastern Command during 1981-83. He became Chief of the Army Staff on August 1, 1983 and retired as Army Chief on January 31, 1986.

A soldier to the core, he was awarded for his bravery with the Mahavir Chakra in 196 5 lndo Pak Operations. The 1971 war saw Gen. Vaidya again the recipient of the Mahavir Chakra for the way he commanded an independent armoured brigade in the Shakargarh Sector. Besides, he was awarded Ati Vishisht Sewa Medal in 1969 and Param Vishisht Sewa Medal in 1983.

In his death, the country has lost a brave, accomplished and dedicated soldier.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

**Dr. Shankar Prasad Mitra, Member Parliament**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Dr. Shankar Prasad Mitra, Member of Parliament, on August 9, 1986.

Dr. Shankar Prasad Mitra was born on December 26, 1917. He joined Calcutta High Court in 1944 and remained Central Government Counsel for several years. He was elected to West Bengal Assembly in 1952. He was Minister-in-charge of Land, Revenue, Judicial and Legislative Departments in 1956. He became the Judge of Calcutta High Court in 1957 and its Chief Justice in 1972. After retirement, he returned to politics and was elected to Rajya Sabha in 1981. He was associated with various social organisations and took active part in legal aid services. He was a noted educationist and wrote extensively on the philosophy of Raja Ram Mohan Roy, Mahatma Gandhi, Ras Bihari Bose and Lenin.

In his death, the country has lost a legal luminary, a noted educationist, a social worker and a seasoned parliamentarian.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

Comrade Shamsher Singh Josh, former M.L.A. of Joint Punjab This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Comrade Shamsher Singh Josh, former M.L.A. of Joint Punjab, on June 28, 1986.

Comrade Josh was born on March 31, 1926. He took keen interest in social work after graduation. He remained Vice-President of the CPI-led Punjab Kisan Sabha and Editor of Sachittar Punjab Patrika.

He was elected to Punjab Vidhan Sabha from Ropar constituency in 1962 and from Kharar constituency in 1972.

In his death, the country has lost a dedicated social worker and a seasoned legislator.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

**Shri Samora Machel, President of Mozambique**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad and sudden demise of Shri Samora Machel, President of Mozambique, on October 19, 1986.

Shri Samora Machel was born in October 1933. He began his career as a hospital nurse and was trained by

Algerian nationalists as a guerrilla leader. He was C-in-C of guerrilla forces in war against Portuguese during 1966-1974. He became President of Mozambique in June 1975. He was recipient of various awards including Lenin Peace Prize in 1977, Order of Friendship in 1980 and Hero of People's Republic of Mozambique in 1982.

When he came to India in 1982 he said, "The Liberation of Goa was a great source of inspiration to the people of Mozambique and Angola". Shri Samora Machel played **a** key role at Harare and his contribution to the struggle against apartheid was well acknowledged. His adherence to the principle of Non-Alignment made him one of the most popular figures in the Third World.

In his death, the world has lost a prominent Non-aligned leader, Mozambique a great patriot and India a true friend.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the people of Mozambique.

**Shri Le Duan, CPI Chief of Vietnam**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Le Duan, Communist Party Chief of Vietnam, on July 10, 1986.

Shri Le Duan was born in 1908. He first took part in the struggle for independence against the French in 1920 and joined the Indo-Chinese Communist Party. He was twice imprisoned for

political activity. He rose through the ranks and when Ho-Chi Minh died, became the top-ranking Politburo member and undisputed party chief.

Shri Le Duan opposed personality cult and stressed the concept of collective leadership in many speeches despite holding the top party job since the death of revolutionary leader Ho-Chi Minh in 1969. He was awarded Lenin Peace Prize and Order of Lenin. He devoted his entire life for the political independence and unity of the Socialist Republic of Vietnam and reconstruction of the nation's economy.

In his death, the world has lost a great Non-aligned leader and a peace lover and India has lost a friend.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the people- of Vietnam.

**Seth Ram Nath, former Minister of erstwhile Pepsu State**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Seth Ram Nath former Minister of erstwhile Pepsu State, on November 6, 1986.

Seth Ram Nath took active part in freedom struggle and went to jail several times. He was one of the founders of Praja Mandal. He was Chairman of Pepsu Freedom Fighters Organisation. He was the first Finance Minister of Pepsu State in 1948. Later on, he became Chairman of Punjabi Regional Committee of Joint Punjab.

In his death, the country has lost a freedom fighter.

The House resolves to send its heartfelt condolences

to the members of the bereaved family.

**Smt. Laxmi Devi Nanda**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Smt. Laxmi Devi Nanda, wife of Shri Gulzari Lal Nanda, former Prime Minister.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

**Sardar Bir Pal Singh, former Minister of State in Punjab**

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Sardar Bir Pal Singh, former Minister of State in Punjab, on November 20, 1986.

Sardar Bir Pal Singh was born on May 29, 1935. He joined the Indian National Congress while he was still a student. During the Chinese and Pakistani aggression he mobilised the youth to face the national calamities courageously. He was elected to Punjab Legislative Assembly in 1980 from the Ludhiana rural seat and was included in the Sardar Darbara Singh Ministry. Sardar Bir Pal Singh, promotor of secularism and socialism, was associated with various educational and social organisations.

In his death, the country has lost a seasoned legislator and a social worker. The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

**Major General Daryao Singh**

This House places on record its deep sense of

sorrow on the sad demise of Major General Daryao Singh (Retd.) on May 25, 1986.

Major General Daryao Singh, the first General of Army Medical Corps from Haryana, belonged to Jhajjar near Rohtak and was born on December 15, 1918. After doing M.B.B.S. from Medical College, Lahore, he joined Army as Lieutenant in 1942. He passed F.R.C.S. from London Edinburgh and went to Australia for Research under W.H.O. He was the E.N.T. Surgeon in the Army and was a specialist in ear grafting. He was elevated as Major General in 1976 and continued as such till 1978. After retirement he settled down at Jhajjar and dedicated his life to social service. He wrote several papers and articles in various Medical Journals.

In his death, the country has lost a brave soldier, an accomplished surgeon and a devoted social worker.

The House resolves to send its heart-felt condolences to the members of the bereaved family.

**श्री भले राम (बड़ौदा–अनुसूचित जाति) :** स्पीकर साहब, सदन के नेता ने आज जो शोक प्रस्ताव हाउस में रखा है, मैं भी उसका समर्थन करता हूं और इस शोक प्रस्ताव में शामिल होता हूं । मैं यह कहना चाहूंगा कि बाबू जगजीवन राम जी उन करोड़ों गरीबो के मसीहा थे जो सदियों से दबे रहे हैं । उन्होंने अपना सारा जीवन संघर्ष में बिताया । उनका जन्म एक बहुत ही ऐसे गरीब घराने में हुआ जिसको बहुत ही नीचे दर्जे का समझा जाता था । सारी उम्र उन्होने महात्मा गांधी जी और जवाहर लाल नेहरू

जी के साथ मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और देश की आजादी के लिये कई बार जेल भी गये । चाहे वह किसी भी पोजीशन में रहे हों, वे कामयाब रहे । कई बार वे प्रधान भी बने और डिफैन्स मिनिस्टर भी बने । आप को याद होगा, बंगला देश के मामले में पाकिस्तान को कैसे मुंह की खानी पड़ी थी । कई बार उनके जीवन में झटके भी आये क्योंकि आपको पता है कि राजनीतिक जीवन में झटके तो आते ही रहते हैं लेकिन उनको राजनीति में हमेशा कामयाबी मिलती रही । आखिर में उनकी यह इच्छा थी कि वह–फिर दोबारा कांग्रेस में शामिल हो जायें। चूंकि वह बीमार थे, इसलिये उनको लन्दन ले जाने वाले थे । उनकी इच्छा को देखते हुए श्री राजीव गांधी जी ने उनको नैशनल इंटैग्रेशन कमेटी का चेयरमैन वनाया । चेयरमैन बनने के बाद उन्होंने यह कहा कि चाहे– मैं किसी भी पार्टी में रहू, देश पर जब कभी कोई मुसीबत आयेगी, मैं पार्टी पोलिटिक्स से ऊपर उठकर आपका साथ द्गा । आज बाबू जी हमारे बी च में नहीं हैं । कुछ भाई बाबू जी के नाम को एक्सप्लायट करना चाहते है लेकिन बात यह है कि बाबू जी असली मायनों में एक चिराग थे लेकिन आज वह चिराग बुझ चुका है । हमें उनके गुणों का फायदा उठाना चाहिए और उनके उपदेशों पर चलना चाहिए । स्पीकर साहब, इसके अलावा हमारे जो देश के दूसरे नेता और महान शखशियते हमसे बिछुड़ गई हैं, उन सब को मैं अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

**चौधरी लीला कृष्ण (फतेहाबाद ) :** स्पीकर सर, मुख्य मन्त्री महोदय द्वारा जो शोक प्रस्ताव इस सदन में रखा गया है मैं भी अपने आप को उसमें शामिल करता हूं । स्पीकर साहब, इस लिस्ट में जो नाम दिए हुए है, वे सब भारत के और विदेशों के रत्न थे । उन सब ने अपने समय में ऐसी छाप छोड़ी थी जिसको मिटाया नहीं जा सकता लेकिन इनमें बाबू जगजीवन राम जी एक बहुत बड़ी हस्ती थी । मैं बाबू जी के बारे में कहना चाहता हूं कि वे सच्चे देश भक्त थे और वे दलितों के मसीहा गिने जाते थे । उनके निधन से देश उनकी सेवाओं से वंचित हो गया । स्पीकर साहब, मैं समझता हू कि वे केवल दलितों के ही नेता नहीं थे, बल्कि सारे देश के बहुत बड़े नेता थे । उनके चले जाने से भारत के सभी लोगों को दु:ख है । उनके आवाह्न में बहुत जोश होता था । बाबू जगजीवन राम जीवन भर दलितों और गरीबों के उत्थान के लिए लड़ते रहे । मैं अपनी ओर से बाबू जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि भगवान श्रीमती मीरा कुमार जो उनकी वारिस है और बाकी–परिवार के सदस्यों को, इस दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करे ।

**श्री निहाल सिंह (अटेली ) :** स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव सदन में रखा है मैं उसकी ताईद करने के लिए खड़ा हुआ हूं । पिछले सैशन के बाद आज तक जो महानुभाव हमसे बिछड़े है, उनमें सब से बड़ी शकसियत बाबू जगजीवन राम थे । बाबू जी ने अपनी सारी जिन्दगी सेवा में गु

जारी थी और लोगों की सेवा करते हुए अपने प्राण त्यागे थे । बाबू जी आठ बार लोक सभा के मैम्बर चुने गए और यह एक रिकार्ड है कि वे लगातार आठ बार लोक सभा के मैम्बर चुने जाते रहे । ऐसा फखर किसी और को हासिल नहीं है । स्पीकर साहब, उन्होंने बतौर पार्लियामैन्टेरियन और बतौर मिनिस्टर जो काम किए, उनको देश का बच्चा–बच्चा जानता है । जब वे नये नये ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर बने तो सब को पता है कि उस समय हमारेदेश में अनाज की क्या हालत थी । हम विदेशों से अनाज मंगाते थे । एग्रीक्लचर मिनिस्टर बनने के बाद उन्होंने कुछ फैसले किए जिनकी बदौलत हमारा देश अनाज के मामले में आत्म निर्भर हुआ । अनाज के मामले को उन्होंने अपने कंधों पर लिया और देश को सैल्फसफिसैन्ट बनाया । यह बात कम लोगों को मालूम है कि बतौर एग्रीक्लचर मिनिस्टर उन्होंने किसानों को कितना फायदा पहुंचाया । उस वक्त– किसानों को एक्सप्लायट किया जाता था । उनको उपज की पूरी कीमत नहीं दी जाती थी । स्पीकर साहब, बाबू जगजीवन राम के समय में ही स्पोर्ट प्राईस की पौलिसी हमारे देश में लागू हुई । उन्होंने कहा कि किसानों को इससे कम कीमत उनके अनाज की नहीं मिलेगी । इस तरह का फैसला उन्होंने बतौर फूड तथा एग्रीक्लचर मिनिस्टर किया और इससे भारत के किसानों और मजदूरों को बहुत फायदा हुआ । स्पीकर साहब, इसी तरह से उस समय चीनी के भाव बहुत ज्यादा बढ़ गए थे । उस समय उन्होंने कहा था कि इतनी चीनी तो फिक्स रेट पर –देनी होगी और अगर किसी ने ज्यादा चीनी लेनी या चीनी

खरीदनी है तो वह खुले भाव में खरीद सकता है । स्पीकर साहब, ये दोनों पौलिसीज एज ए फूड एंड एग्रीक्लचर मिनिस्टर उन्होंने लागू की थीं । इसी कारण आज तक किसानों और मजदूरों को फायदा पहुंच रहा है ।

स्पीकर साहब, जब वे भारत के डिफैन्स मिनिस्टर थे तो उस वक्त पाकिस्तान कुछ शरारत कर रहा था । बाबू जी ने उस वक्त एलान किया कि अगर पाकिस्तान ने आईन्दा कोई शरारत की, कोई हिमाकत की या पाकिस्तान की तरफ से अगर कोई गल्ती होगी त। इस दफा जंग भारत की जमीन पर नहीं होगी बल्कि पाकिस्तान की जमीन पर होगी । उस वक्त लोगों ने कहा कि बाबू जी आपने ऐसा बयान कैसे दे दिया और क्या भारत पाकिस्तान पर हमला करेगा? बाबू जी ने कहा कि हम पाकिस्तान पर हमला नही करेंगे बल्कि हम उनके घर जाकर समझा देंगे कि लड़ाई का क्या नतीजा होता है और आईन्दा के लिए पाकिस्तान भारत की ओर नजर उठाने की जुर्रत नहीं करेगा । स्पीकर साहब, बाबू जी बहुत ही कामयाब डिफैन्स मिनिस्टर रहे हैं. । जब वे डिफैन्स मिनिस्टर थे तो वे रशिया गए और उनकी मुलाकात श्री कोसीगन से हुई । बातचीत के पश्चात कोसीगन ने हमारे राजदूत श्री आई० के० गुजराल जो भारत के अम्बैसडर थे, को कहा कि मैंने बहुत से देशों के डिफैन्स मिनिंस्टर्ज से बातें की हैं लेकिन इतना लायक डिफैन्स मिनिस्टर मैंने नहीं देखा । इसी दौरान बाबू जो की मुलाकात रशिया के आर्मी जनरलों से हुई । आर्मी जनरल्ज ने भी

यह कहा कि भारत के डिफैन्स मिनिस्टर बहुत ही लायक हैं और जिस तरहकी बातें इन्होंने की हैं, उस तरह की बातें आर्मी जनरल्ज से भी ऐक्सपैक्ट नहीं की जा सकती हैं । ये बातें उन्होंने श्री गुजराल को कहीं । स्पीकर साहब, बाबू जी ने गरीबों की जो सेवा की है, उसका जिक्र करने की जरूरत नहीं है । इस सम्बन्ध में सारा देश जानता है । स्पीकर साहब, 5 अप्रैल, 1986 को जब उनका आखिरी जन्म दिन था तो राजीव गांधी उनके निवास स्थान पर तशरीफ लाए थे और उसी दिन बाबू जी ने एलान कर दिया था कि मेरी सेवाएं' देश के लिए अर्पित हैं, चाहे देश को बाहर का खतरा हो और चाहे अन्दर का खतरा हो । उनका विचार था कि राजीव गांधी चूंकि देश का एक नौजवान नेता है और देश को आगे त्वे जाने वाला है, इसलिए उसको अपनी सेवा अर्पित करनी चाहिए । बाबू जी ने कहा था कि किसी भी तरह की सेवा जो मेरे लायक है, उसके लिए मैं हमेशा तैयार हूं । इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमारे प्रधान मन्त्री ने उनको नैशनल इंटेगरेशन कमेटी का चेयरमैन बनाया था । उनकी मौत से देश को बहुत भारी आपात पहुंचा है । भारत के किसानों को, मजदूरों को और भारत की गरीब जनता को उनके चले जाने से जो नुकसान हुआ हैं उसकी पूर्ति नहीं हो सकती । मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवार को शान्ति प्र दान करे और भगवान स्वर्ग में बाबू जी की आत्मा को शांति प्रदान करें ।

स्पीकर साहब, इसके साथ–साथ श्री चन्द्रशेखर सिंह का नाम भी इस लिस्ट में आया है । वे बिहार के रहने वाले थे । केन्द्रीय सरकार में मिनिस्टर थे । वे बहुत ही काबिल आदमी थे और हर बात को अच्छी तरह से समझते थे । स्पीकर साहब, उनके साथ मुझे पन्द्रह दिन रहने का ढ़ाका मिला था । वे. पूरी तरह से गांधीवादी थे । उनके निधन से देश को जो क्षति हुई है और जो हानि हुई है वह पूरी नहीं हो सकती । मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे ।

स्पीकर साहब, सेठ राम नाथ जी का नाम इस लिस्ट मेँ आया है । वे पैप्सू के रहने वाले थे । हम भी पेप्सू मे रहने वाले है। प्रजा मण्डल के सदस्यो ने देश की आजादी के लिए और रियासतों में जो लड़ाई लडी उसके बारे में सब को पता है । ज्ञानी जैल सिंह जो हमारे राष्ट्रपति हैं, सेठ जी उनके बहुत ही घनिष्ठ मित्र थे । ये दोनों मिलकर काम करते थे । सेठ जी के निधन से सारे देश को दुख है । मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वह उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे ।

स्पीकर साहब, इस लिस्ट में दूसरे महानुभावों के भी नाम आए हैं जो इस बीच हमसे बिछुड़ गए हैं, उन सब को मैं अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हू कि वह उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे और उनके परिवारों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति दे ।

**श्री लछमन सिंह (कालका ) :** स्पीकर सर, लीडर आफ दी हाउस ने 13 ,डिसटिंगविंश्ड परसनैलिटीज का शोक प्रस्ताव इस हाउस में रखा है, मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं । वैसे तो स्पीकर साहब, जो भी इस संसार में आया है उसने एक न एक दिन जाना है लेकिन कुछ परसनंलिटीज ऐसी होती हैं जिनके जाने से खला पूरा नहीं किया जा सकता । इन महानुभावों में से कुछ को तो मैं जाती तौर पर जानता था और वे मेरे निजी दोस्त भी थे । बाबू जगजीवन राम जी के बारे में इस हाउस में काफी चर्चा हुई है कि वे बेहतरीन एडमिनिस्ट्रेटर थे और इतने बहादुर इन्सान थे कि उनकी जितनी भी तारीफ की जाए, थोड़ी है । बाबू जी ने, एक बहुत गरीब हरिजन परिवार में पैदा होकर यह साबित कर दिया था कि गरीबी आदमी की तरक्की में या आदमी के ऊंचे–ऊंचे पद पर पहुंचने में किसी प्रकार की रुकावट नहीं बन सकती । आदमी को ऊपर उठने के लिये एक मुसमम इरादे और ईमानदारी की जरूरत हुआ करती है । बाबू जी 40–4 5 वर्षों तक हिन्दुस्तान की सियासत पर छाये रहे । उनके जाने से जो खला पैदा हुआ है, वह भरना बहुत मुश्किल है । हम उनके लिये केवल ईश्वर से दुआ ही कर सकते है । आप जानते हैं कि जो भी व्यक्ति चला जाए उसके मुताल्लिक सिवाये नेक ख्वाहशात के और कुछ भी नहीं कर सकते । मैं अपनी ओर से भगवान से यह प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनके परिवार को हिम्मत बख्शे, शक्ति दे, देश को हिम्मत दे कि जो यह नुक्सान हुआ है उसको बर्दाश्त कर सके ।

इसी तरह से कामरेड शमशेर सिह जोश, जोकि खरड़ तहसील के ही रहने वाले थे, बड़े हिम्मती इन्सान थे और सी० पी० आई० के हार्ड वर्कर थे । वे ज्वायंट पंजाब में दो दफा मैम्बर रह चुके हैं । वे बड़े ही मेहनती इन्सान थे और अपना फर्ज ईमानदारी के साथ निभाते थे ।

सेठ राम नाथ, पैप्सू स्टेट के भूतपूर्व मन्त्री थे । प्रजा मण्डल के बड़े भारी लीडर थे । ज्ञानी जैल सिंह जी के साथ मिलकर उन्होंने बहुत काम किये । वे बड़े नेक दिल और ईमानदार व्यक्ति थे । इसमें कोई शक की बात नहीं है किवे एक मेहनती इन्सान थे । उनके लिए मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उन को अपने चरणों में जगह दे ।

श्री बीर पाल सिंह, पंजाब के मन्त्री थे और बैकवर्ड क्लासिज से ताल्लुक रखो थे । वे बहुत ही निडर आदमी थे और काम करने में ही उनका पक्का विश्वास होता था । वे अचानक ही इस संसार से चले गये । इसके लिये मैं उनके परिवार के साथ हमदर्दी का इजहार करता हूं । बाकी सभी महानुभाव जो भी इस संसार से गये हैं, मैं अपनी ओर से इन सब की फैमिलीज को हार्दिक रा वेदना व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्राथना करता हू कि इन सब के परिवारों को इस तरह का दुःख सहन करने की शक्ति दे । इन शब्दों के साथ, मैं लीडर आफ दी हाउस ने जोयह शोक प्रस्ताव रखा है, से सहमति प्रकट करता हू ।

**श्रीमती करतार देवी (कलानौर–अनुसूचित जाति ) :** स्पीकर साहब, सदन के सम्माननीय नेता ने जो शोक प्रस्ताव इस हाउस के सम्मुख रखा है और जो भावनाएं व्यक्त की हैं, मैं उनके साथ अपने आप को शामिल करती हुई बाबू जगजीवन राम जी के बारे में दो शब्द कहना अपना कर्त्तव्य समझती हूं । भारत में बहुत कम व्यक्तित्व ऐसे हैं जिन्हेंने गरीबी से उठकर ऊंचे से ऊंचे औहदों पर पहुंच कर भी गरीबों से कभी बाबा नहीं तोड़ा और ऐसे लोगों में जहां हम आज श्रीमती इंदिरा गांधी, महात्मा गांधी और माम साहब अम्बेडकर व दूसरे बड़े नेताओं का नाम लेते हैं, वहां बाबू जगजीवन राम जी का भी एक महत्वपूर्ण स्थान है । बालू जी केवल गरीब हरिजनों के ही प्यारे नेता नहीं थे बल्कि उन्होंने देश की आजादी के संग्राम में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी । कांग्रेस के हर मूवमैंट में उन्होंने हिस्सा लिया था और जिन–जिन पदों पर वे मन्त्री रहे, उनको कुशलता के साथ निभाते रहे । हमें यह सुनकर फख्र होता था कि भारत की जनता उनको भाग्यवान मन्त्री के नाम से पुकारती थी, 'मानती थी । कोई भी महकमा चाहे उन्हें किसी भी हालत में सौंपा गया, उन्होने बडी कुशलता के साथ काम किया और हर जगह सफलता पाई । वे हमारे बीच में आज नहीं हैं लेकिन उनकी बातें हम कभी भूल नहीं सकते । वे डिफैन्स मिनिस्टर रहे, एग्रीकल्चर मिनिस्टर रहे और भी बडे–बड़े पदों पर यूनियन मिनिस्टरी में विराजमान रहे और सारे देश के लिये ईमानदारी और कुशलता से काम करते रहे । उसके साथ–साथ दलित वर्ग संघ जैसी संस्थाओं के माध्यम से वे

लगातार अपना संपर्क देश के गरीब लोगो से, देश के कोने–कोने में रखते थे । हर साल उनकी मीटिंगें बुलाते थे और मुझे भी थोड़े दिनों दलित वर्ग संघ के स्टेट सैक्रेटरो व प्रेजीडैन्ट होने के नाते उनकी छत्रछाया में काम करने का मौका मिला । जब भी हमें उन से बातें करने का मौका मिला तो वे हमेशा हमें यह कहा करते थे कि बाधाएं तो व्यक्तियों के सामने आती ही रहती हैं लेकिन उन बाधाओं से लड़ना ही तो बहादुरी है और इसी में हमारी मानवता छुपी हुई है । इसलिये. विघ्न बाधाओं से न डर के हम चाहते हैं कि हम गरीब लोगों के काम करें । हमें बाबू जी की ऐसी बातों पर फब है कि करीब लोगों से कितनी हमदर्दी रखते थे । उनके आज हमारे बीच न रहने से हमारे समाज में, खासकर गरीब समाज में जो खला पैदा हुआ है, लगता नहीं कि जल्दी ही वह खला पूरा हो जाए । स्पीकर सर, जिस दिन बाबू जी का निधन हुआ, देश के कोने–कोने में गरीब आदमी चाहे वह रिक्शा चला रहा था, चाहे फुटपाथ. पर बैठा था, चाहे नौकरी में काम कर रहा था, चिल्ला चिल्ला कर रो रहा था । वे कह रहे थे कि बाबा साहब का स्थान तो बाबू जी ने ले लिया था लेकिन बाबू जी के बाद यह स्थान कौन लेगा और कहा जाकर हम अपनी बात को कहेंगे । स्पीकर सर, धि–धाता के आगे किसी की नहीं चलती । बड़े से बड़ा व्यक्तित्व भी ऐसे ही चला जाता है और केवल अपना सन्देश ही छोड़ जाता है । स्पीकर सर, यह शरीर तो सभी का नश्वर है ही लेकिन उनके जो कार्य है, सन्देश हैं, अगर हम उनको पूरा करने की तरफ अपना ध्यान लगाएं तो यह उनके प्रति सच्ची

श्रद्धांजलि होगी । बहिन मीरा कुमार के ऊपर जो जिम्मेवारी आई है उनके साथ अपने आप को जोड़ते हुए, इन्हीं शब्दों में हम उनको आश्वासन देना चाहते हैं कि वह बहिन ईश्वर की कृपा से बाबू जी के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ेगी और जैसा भी सहयोग हम से बन पाएगा हम उनको पूरा सहयोग देंगे' ।

स्पीकर साहब, श्री टी० अंजैया जो के बारे मे भी, एक दो शब्द कहना चाहती हूँ । वे. एक साधारण से घर में पैदा होकर ट्रेड यूनियन के माध्यम से आन्ध्र प्रदेश के चीफ मिनिस्टर जैसे महत्वपूण' पद पर पहुंचे । यूनियन सरकार में भी मन्त्री रहे और पार्टी के महामन्त्री बनने के बाद भी इंटक जैसी यूनियनों का भी पूरा–पूरा ध्यान रखते थे । हर गरीब से गरीब आदमी की बात की तरफ उन्होंने सदा ही ध्यान दिया । उनके जीवन से यह प्रेरणा मिलती है कि कोई भी मुश्किल ऐसी नहीं है, चाहे एक आदमी कितना ही साधनहीन क्यों न हो, अगर उसका दृढ़ संकल्प है तो वह सारी विघ्न बाधाओं को दूर करते हुए आगे जा सकता है ।

इसी प्रकार से कामरेड शमशेर सिंह जोश और ले० दुआन–वियतनाम साम्यवादी दल के मुख्य के बारे में सदन के सम्माननीय नेता ने जो बातें कहीं हैं, मैं भी उन से अपनी सहमति प्रकट करती हूं । स्पीकर सर, इन महानुभावों मैं से बहत से जीवन हमें बहुत कुछ सिखाते हैं । हम उन्हीं को याद करते हैं जिन्होने

समान के लिये कुर्बानियां की हो और कुछ महत्वपूर्ण काम किये हो ।

स्पीकर सर, जनरल वैद्य का जिम तरह से निधन हुआ, उनकी जिस तरह से हत्या की गई उसका सभी को दु:ख है । उनकी हत्या देश के सामने एक चुनौती है कि ऐसे सज्जन के साथ विघटनकारी ताकतें इस तरह का दुस्साहस कर सकती हैं जिनका किसी पार्टी से कोई सम्बन्ध नहीं था और न किसी भाषा विशेष व जाति से बल्कि. उन्होंने देश के लिये, देश की रक्षा के लिये अपना सारा जीवन लगा दिया था । ऐसी विघटनकारी ताकतों से, तत्वों से निपटने के लिये, हर नागरिक की यह जिम्मेवारी बनती है कि वे हर प्रकार से जागरूक हों और ऐसी विघटनकारी ताकतों को सिर उठाने का मोका न दें । इन शब्दों के साथ, मैं जिन–जिन महानुभावो का इस शोक सन्देश में नाम आया है, सभी के साथ अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं ।

इसी तरह से मेकर जनरल दरियाव सिंह जी का निधन हुआ जो हमारे जिले के ही रहने वाले थे । उन्होंने डाक्टरी में बड़ा नामे कमाया था । वे ऐसे सज्जन इन्सान थे कि बड़े से बड़े डाक्टर और गरीब से गरीब मरीज जब उन के पास जाया करते थे तो वे उन से फीस की बात न करके, उसके निदान की बात किया करते थे । केवल झज्जर में ही नहीं बल्कि सारे रोहतक जिले में ही उनका नाम था । डाक्टर विद्या सागर जी की मृत्यु के बाद लोगों ने बख्त ज्यादा महसूस किया था कि बढ़िया डाक्टर इस

संसार से चले गये है । उनके बाद उसी तरह से दरियाव सिंह जी एक उच्च कोटि के डाक्टर हुए हैं ओर प्राईवेट प्रैक्टिस करने के बावजूद भी उन्होंने मरीज की तरफ ज्यादा ध्यान दिया और पैसे की तरफ बहुत कम ध्यान दिया था । ऐसे सज्जनों के इस संसार से चले जाने का सचमुच में बहुत ही दु:ख होता है । इन शब्दों के साथ, मैं सदन के नेता की भावनाओं के साथ अपनी भावनाओं को जोड़ती हुई उन संतप्त परिवारों के साथ हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं ओर ईश्वर से यह प्रार्थना करती हूं कि ईश्वर इन परिवारों को यह दु:ख सहने की शक्ति दे ।

**लोक निर्माण मन्त्री (श्री फूल चन्द ) :** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है, मैं अपनी भावनाओं को उसके साथ जोड़ते हुए परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि प्रभु इन दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दे और उनके परिवार के सदस्यों को, उनके साथियो को तथा समर्थकों को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति दे । बाबू जगजीवन राम गरीबों के मसीहा थे । वे एक गरीब परिवार में पैदा हुए और उन्होंने गरीबी को हमेशा याद रहा । जब देश गुलाम था उस समय महात्मा गांधी और बाबू राजेन्द्र प्रसाद के आवाहन पर वे देश की आजादी की लड़ाई में जुट गए । वे कई बार जेलों में गए । वे आल इंडिया डिप्रैस्ड क्लासिज लोग के भी प्रधान रहे । उन्होंने सारे देश को, हर समाज के लोगों को एक कड़ी में पिरो कर रखा । वे 1936 से 1940 तक बिहार लैजिस्लेटिव कौंसिल के

सदस्य रहे । उसके बाद जब से भारत की पार्लियामेंट बना, तब से लेकर अपनी मत्यु तक वे भारत की लोक सभा के सदस्य रहे । वे उसी क्षेत्र से जीतते रहे जिससे वे चुनाव लड़ते थे । कई बार लोगो ने उनको कहा भी कि आप चुनाव क्षेत्र बदल लीजिए तेकिन उन्होंने कभी नहीं बदला । जो पद उन्होंने सम्भाले उनको उन्होंने बड़ी जिम्मेदारी से निभाया । जैसे अभी चर्चा की गई, वे एक भाग्यवान मन्त्री के नाम से जाने जाते थे । किसी एक साल में बारिश नहीं हुई थी और अकाल पड गया । उस समय बाबू जो एग्रीकल्चर मिनिस्टर बन गए । उनके मन्त्री बनते ही बारिश हो गई । लोगो के सामने बाबू जी का भाग्य यहां भी सिद्ध हो गया । उस साल देश में अनाज के भंडार भर गए । वे देश के रक्षा मन्त्री भी रहे और वहां भी नाम पैदा किया । वे हमेशा कहा करते थे कि––

किसी के काम आ जाए उसे इन्सान कहते हैं,

पराया दर्द जो ले ले उसे इन्सान कहते हैं ।

ऐसा उन्होंने किया भी । वे हमेशा पराई दर्द लेते थे । हिन्दुस्तान के गरीब लोग उनको आना मसीहा कहते थे । उनकी मृत्यु के बाद जो खला पैदा हुआ वह पूरा होना मुश्किल है । उनकी मृत्यु के बाद उनकी बेटी श्रीमती मीरा कुमार जिनको उन्होंने अपने जीवन काल में ही कांग्रेस पार्टी से मैम्बर पार्लियामैंट बनवाया था, वे आज उनकी उत्तराधिकारी हैं । हम परम पिता

परमेश्वर से प्रार्थना करते है कि वह उनको शक्ति दे ताकि के उनके कदमों पर चलते हुए इस समाज की सेवा कर सकें और उनकी मत्यु से जो खला पैदा हुआ है, उसको पूरा कर सकें ।

श्री बीर पाल सिंह जी भी हम से जुदा हो गए हैं । वे ला कालेज में मेरे क्लास फैलों थे । मैं उनको बड़े नजदीक से जानता था । वे बड़े हिम्मती और निडर थे । विद्यार्थी काल में ही उनमें नेताओं वाले पूरे गुण थे । जब कभी भी पार्टी परसैंट आया तो वे हमेशा सीना तान कर आगे आए । जब 1(177 में कांग्रेस पार्टी की हार हुई तो हम लोग इकट्ठे होकर पार्टी का कार्यक्रम सुचारू रूप से चलाते थे । आज वे हमारे बीच में नहीं हैं । मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हू । इसके अलावा जिन अन्य दिवंगत आत्माओं की चर्चा सदन के नेता श्री बंसी लाल जी ने की है, मैं उनके साथ अपनी भावना को जोड़ते हुए परम पिता परमेश्वर से फिर प्रार्थना करता हू कि वह इन आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दे. तथा उनके दुखी परिवारों को यह कष्ट सहने की शक्ति दे ।

**श्री अध्यक्ष :** आनरेबल मैम्बर्ज पिछले सैशन के बाद कई इम्पौर्टेट परसनैलिटीज इस संसार से चली गई हैं । बाबू जगजीवन राम हमारे फारमर डिप्टी प्राईम मिनिस्टर थे । अपने जीवन में वह कभी भी पार्लियामैंट से बाहर नहीं रहे । वह एक अच्छे पौलीटीशियन, स्टेट्समैन व फ्रीडम–फाईटर थे । उन्होंने इंडियन पौलटिक्स में अनेक पदों पर रह कर देश की सेवा की ।

वह जिस फील्ड में भी रहे वहां सक्सैसफुल रहे । वह एक वैटर्न पार्लियामैटेरियन तथा डाऊन ट्रौडन के चौम्पियन थे और अन्तिम समय तक देश व जनता की सेवा करते रहे, यही उनकी इच्छा थी ।

हर वर्ग जाति व पार्टी उनकी रिस्पैक्ट करती थी । उनके दिल में कभी भी किसी वर्ग विशेष के प्रति हीन–भावना नहीं रही । उन्होंने कंट्री को सदा सही रास्ते पर ले जाने का प्रयत्न किया । He was a very popular politician in India & abroad. उनकी कमी काफी दिनों तक पूरी होनी असम्भव है. । उनकी मृत्यु से देश ने एक अच्छा गाईड व स्टेट्समैन खो दिया ।

श्री सी ० एच० भाभा हमारे फारमर यूनियन कौमर्स मिनिस्टर रहे । वह एक सीजन्ड पार्लियामैन्टेरियन व नोटिड इकनोमिस्ट थे तथा वह कौमर्स व बैंकिंग से असोशिऐटिड थे । कई उच्च पदों पर रह कर देश की सेवा करते हुए 29 जुन, 1986 को वह हमसे बिछुड़ गये ।

मिस्टर चन्द्रा शेखर सिह, यूनियन स्टेट मिनिस्टर फार पैट्रोलियम तथा बिहार के एक्स– चीफ मिनिस्टर थे । वह एक ग्रेट स्टैट्समैन, सोशल वर्कर व सीजन्ड पौलीटिशयन थे । बिहार की जनता में वह बहुत पापुलर थे । एक हाई कैलीवर के साथ–साथ वह एक एबल एडमिनिस्ट्रेटर भी थे । सैन्टर व स्टेट में कई पदों पर रह कर लम्बे समय तक उन्होंने राष्ट्र की सेवा की ।

श्री टी ० अंजैया, आन्ध्र प्रदेश के फारमर चीफ मिनिस्टर रहे । वह एक ग्रेट पौलिटीशियन व फ्रीडम फाईटर थे । वह क्विट इंडियन मू मैन्ट से असोशिऐटिड थे तथा सैवन्थ क्लास में ही गांधी जी की मू मैन्ट में शामिल हो गये । वह कई ट्रेड यूनियन थे असोशिऐटिड थे तथा एक हम्बल फैमिली से सम्बन्ध रखते हुए भी थोड़ी उम्र में ही ट्रेड यूनियन लीडर वन गये । 1957 में वह फर्स्ट टाईम आन्ध्र प्रदेश असैम्बली के लिये इलैक्ट हुए और फिर एक लम्बे समय तक नेशन व स्टेट की सेवा की । अपनी डैथ के समय वह इंडियन नैशनल कांग्रेस के जनरल सैक्रेटररी थे । उनकी डैथ से राष्ट्र का सच्चा सेवक खो गया ।

General A.S. Vaidya was a gallant & distinguished soldier. वह हमारी सेना की टौप मोस्ट पोस्ट पर रहे । उनका कैरियर बहुत ही ब्राइट था । उन्होंने हर पद पर रह कर अपना कैलिबर दिखाया । वह एक बहुत ही डैकोरेटिड तथा ब्रेव आफिसर थे । उन्होंने अपनी आरमी लाइफ में कई आप्रेशंज देखे । उनको महावीर चक्र, पी० वी० एस० एम०, ए ० बी० एस० एम० आदि एवार्डज मिले । वे देश सेवा को ही अपना धर्म व परम कर्तव्य समझते थे । उनकी महानता यह भी थी कि वह अपने ट्रुप्स को अपनी फैमिली मानते थे । एक लम्बे समय तक देश सेवा करने के बाद 31 जनवरी, 1986 को रिटायर हुए थे । उनकी डैथ से देश ने एक सच्चा सपूत सिपाही व पहरेदार खो दिया है ।

डा० एस० पी० मित्रा, एम० पी० का जन्म 26 दिसम्बर, 1917 को हुआ । वह 1952 में वैस्ट बंगाल असैम्बली के लिए इलैक्ट हुए । वह राज्य की जुडिशियरी के सर्वोच्च पद तक पहुंचे तथा अच्छे एजुकेशनिस्ट, फिलौसफर व पोलिटिशियन होने के नाते जनता की मेवा करते हुए हमारे मध्य से चरने गये ।

कामरेड शमशेर सिंह जोश हमारी सिस्टर स्टेट पंजाब के एम० एल० ए० रहे । वह सी ० पी० आई० के जाने माने नेता थे जिनकी कमी से इस क्षेल ने एक अच्छे सोशल वर्कर को खो दिया है ।

Shri Samora Machel, President Mozambique, was a brave leader. He was closely associated with the Non-Alignment and struggle against apartheid.

**15.00 बजे ।**

श्री ले दुआन वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के चीफ थे । वह एक सच्चे व निर्भय कम्युनिस्ट लीडर थे, जिन्होंने पार्टी के ऊंचे–ऊंचे पदों पर रह कर देश की प्रोग्रैस में हाथ बंटाया ।

श्री राम नाथ एक जाने माने फ्रीडम फाईटर थे । वह अरस्टव्हाइल पैप्सू स्टेट के मिनिस्टर रहे जिनकी डैथ से एक सोशल वर्कर की कमी काफी दिनों तक बनी रहेगी ।

श्रीमती लक्ष्मी देवी नन्दा हमारे फारमर प्राइम मिनिस्टर श्री गुलजारी लाल नन्दा जो को धर्मपत्नी थी । वह एक अच्छी

सोशल वर्कर थी । श्री गुलजारी लाल नन्दा की कामयाबी का राज उनकी अच्छी धर्मपत्नी होने का भी है और देश की सेवा में उनका बड़ा योगदान था ।

सरदार वीरपाल सिंह हमारी सिस्टर स्टेट पंजाब के फारमर स्टेट कोआप्रेशन मिनिस्टर थे । वह एक माने हुए पौलिटिशियन थे ।

मेजर जनरल दरियाओ सिंह हमारी माननीय सदस्या श्रीमती बसंती देवी के पति थे । वह एक माने हुए ई० एन० टी० सर्जन थे ।

मैं इन सब पर्सनैलटीज को जिनकी अभी चर्चा हुई है, उन सबको होमेज पे करता हूं और इस हाउस की डीप सिम्पेथीज को ब्रौव्ड फैमिलीज तक पहुंचा दूंगा ।

अब मैं हाउस से रिक्वेस्ट करूंगा कि इन डिपार्टिड लीडर्ज की मैमोरी में खड़े हो कर 2 मिन्टस का साइलैसं आबजर्व, करें ।

(इस समय सदन ने दिवंगत नेताओं के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट कार मौन धारा किया । )

## तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

**श्री अध्यक्ष :** मैम्बर साहेबान, अब क्वैश्चंज होंगे ।

**Drought Affected Area in the State**

***1162. @Shri Bhale Ram and Chaudhri Azmat Khan and Shri Jagdish Nehra :** Will the Minister of State for Revenue be pleased to state—

(a) the district-wise area affected by drought in the State during the current calender year; and

(b) the steps, if any, taken or proposed to be taken by the Government to mitigate the hardships faced by the drought affected. people?

**राजस्व राज्य मंत्री (श्री निर्मल सिंह ) :**

(क ) खरीफ 1986 के दौरान राज्य के सभी जिलों की सभी फसलों पर भिन्न–भिन्न मात्राओं में सूखे का प्रभाव पड़ा है ।

(ख ) सरकारी देय मुआफ किया गया, चारे तथा बीज पर तकावी एवं सबसिडी तथा अन्य सहायता दी गई । इनका ब्यौरेबार विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है ।

वर्ष 1988 में सूखाग्रस्त जनता की कठिनाईयों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा लिये गये/लिये जा रहे पगों का विस्तृत विवरण

सरकार द्वारा निम्नलिखित राशियों की स्वीकृतियां प्रदान की गई हैं –

1 (क ) 2 करोड़ रुपये चारे के लिए (1. 5 करोड़ बतौर तकावी और 50 लाख रुपये बतौर चारा सबसिडी )

(ख ) 1 5 करोड़ रुपये बीज के लिए (एक करोड़ रुपये बतौर बीज सबसिडी और 50 लाख रुपये बतौर बीज तकावी ) ।

(ग ) एक करोड़ रुपये नहरों की सफाई के लिए ।

(घ ) 20 लाख रुपये तलाबों में पानी भरने के लिए ।

2. प्रभावित किसानों और भूमिहीन मजदूरों को रोजगार देने हेतु आर० एल० ई० जी०.पी० के तहत 42.38 लाख रुपये रिलीज किये गये ।

3. भूमि जोत कर खरीफ, 1986 से माफ किया गया है और आबियाना, सहकारी ऋण और तकावी ऋणों की वसूली जिला भिवानी, महेन्द्रगढ़, गुड़गांवा, फरीदाबाद और रोहतक में निलम्बित कर दी गई है । आबियाना की मुआफी नियमानुसार खराबे पर प्रदान की जाएगी ।

4. गम्भीर सूखाग्रस्त क्षेत्रों में खाद के मूल्य पर 25 प्रतिशत सबसिडी देने बारे मामला विचाराधीन है । गेहूं वीडीसाईडज पर सबसिडी देने बारे भी सुझाव है ।

5. राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता लेने हेतु वित्तीय ज्ञापन भारत सरकार को भेजा गया है और उनसे अनुदान प्राप्त होने पर आगामी राहत कार्यो बारे पग उठाये जायेगे ।

**श्री भले राम :** स्पीकर साहब, मंत्री जी ने सवाल के जवाब में सीरियल नम्बर पाच पर लिखा है कि राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता लेने हेतु वित्तीय ज्ञापन भारत सरकार को भेजा गया है और उनसे अनुदान प्राप्त होने पर आगामी राहत कार्यों बारे पग उठाए जायेंगे । मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने भारत सरकार को कितने करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता के लिए लिखा है और क्या भारत सरकार ने इस बारे में कुछ विचार किया है?

**श्री निर्मल सिंह :** स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने सूखाग्रस्त एरियाज का अन्दाजा लगा कर 150 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता के लिए भारत सरकार को लिखा है और उम्मीद है कि इसमें से कुछ पैसा हमें अवश्य मिल जाएगा ।

**श्री जगदीश नेहरा :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मती जी से जानना चाहूंगा कि सिरसा जिले में कितने गांव सूखाग्रस्त घोषित किए गए हैं और उनमें लोगों को क्या–क्या सुविधाएं दी गई हैं?

**श्री निर्मल सिंह :** अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिले में राज्य के दूसरे जिलों से कम्पैरेटिवली बहुत कम नुक्सान हुआ है । महेन्द्रगढ़, फरीदाबाद, गुडगावां भिवानी और रोहतक जिलों में बहुत ज्यादा नुक्सान हुआ है, इनके बाद सोनीपत और हिसार

जिले आते हैँ जिनमें फसलों को नुक्सान हुआ है । बाकी दूसरे जिलों में बहुत कम नक्सान हुआ है ।

**श्री अध्यक्ष :** माननीय सदस्य यह जानना चाहते है कि सरकार ने जिन जिलों को सूखाग्रस्त पोषित किया है, क्या उनमें सिरसा जिले का भी नाम है?

**श्री निर्मल सिंह :** जी नहीं, उनमे सिरसा जिले का नाम नही है ।

**श्री निहाल सिंह :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि राज्य के ऐसे कौन–कौन से जिले हैं जिनको सूखाग्रस्त घोषित किया गया है और उन जिलों में लोगों को कितनी–कितनी सहायता दी गई है?

**श्री निर्मल सिंह :** अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे लिखित उत्तर में ब्योरा दिया हुआ है । जिन जिलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है उनमें कई चीजों की सहायता दी गई है । किसानों के कर्जे और आबियाना वगैरह पोस्टपोन कर दिए गए हैं ।

**चौधरी साहब सिंह सैनी :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मती जी से जानना चाहूंगा कि जिन जिलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है उनमें कुरुक्षेत्र जिले का नाम क्यों नहीं है? कुरुक्षेत्र जिले में जीरी बहुत अधिक माता में होती है। । जीरी पर भी सूखे का काफी प्रभाव पड़ा है ।

**श्री अध्यक्ष :** सैनी साहब, इस समय इस मौसम या फसल की बात नहीं हो रही है । इस समय जो फसल हो रही है, उसके बारे में बात नहीं हो रही है । यह सैपरेट क्वैश्चन है ।

**श्री लछमन सिंह :** स्पीकर साहब, मंत्री जी ने लिखित जवाव में सूखाग्रस्त जिलों को मुख्तलिफ किस्म की सहायता देने के बारे में ब्यौरा दिया हे । स्पीकर साहब, अम्बाला जिले में भी कुछ एरियाज ऐसे हैं जैसे नारायणगढ़, कालका और छछरौली इनमें सव जगहों पर सूखा पड़ा हुआ है । इन इलाके के लोगों को, जो इन्होंने ब्यौरा दिया धै, वह सहायता नहीं दी जा सकी । क्या उन इलाके के लोगों को कोई स्पैशल सहायता देने का प्रबन्ध करेंगे क्योंकि जिन जिलों को जनरल टाईप की सहायता दी जा सकती है वह इन इलाकों में नहीं दी जा सकती । अम्बाला जिले में किसी भी जगह पर फोडर नहीं भेजा गया है । इन इलाकों में वाटर कोर्सिज की लाइनिंग का काम तो पूरा नहीं होगा लेकिन मुआवजा बगैरह तो किसानों को दिया जा सकता है । क्या ऐसी कोई बात सरकार के विचाराधीन है? क्या सरकार यह महसूस करती है कि इन इलाकों के किसानों को जो कुछ सहायता दी गई है वह काफी है हालांकि वह नाकाफी है । मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने भारत सरकार से जो 150 करोड़ रुपए की सहायता मांगी है उसमें से अम्बाला जिले और खास कर कानका, छछरौली और नारायणगढ़ के किसानों को कितनी सहायता दी जाएगी ।

**श्री अध्यक्ष :** आप कंकरीट सवाल पूछे कि किस किस्म की सहायता चाहते

**श्री लछमन सिंह :** स्पीकर साहब, मै यह जानना चाहता हू कि सरकार इस एरिया के लोगों को क्या इमदाद देना चाहती है?

**श्री निर्मल सिंह :** अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जिले के किसानों ने यदि फोडर के लिए डिमांड की तो सरकार जरूर इमदाद करेगी ।

**श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया :** स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि सूखे से हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए महेन्द्रगढ़ जिले को कितने रुपये की सबसिडी और तकावी देने की सुविधा का अनुमान लगाया गया है?

**श्री निर्मल सिंह :** तकावी लोन का अनुमान लगाया जाना अभी बाकी है । वैसे इस बारे में महेन्द्रगढ़ जिले की पूरी डिटेल्ज बहन जी के पास होंगी । महेन्द्रगढ़ जिले में किसानों को खाद पर सबसिडी दिए जाने का मामला अभी विचाराधीन है ।

**श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया :** स्पीकर साहब, अगर मेरे पास यह इन्फर्मेशन होती तो मैं मती जी से यह सवाल पूछती ही क्यों । (शोर )

**श्री महेन्द्र प्रताप सिंह :** स्पीकर साहब, सरकार ने जितनी भी सहायता की हे, उससे सूखाग्रस्त इलाके व खासकर किसानों के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा है उसके लिए सरकार बधाई की पात है क्योंकि सरकार ने काफी राहत ऐसे इलाकों को दी हैं जिनमें महेन्द्रगढ़, गुडगावां और फरीदाबाद जिला भी शामिल हें । सरकार ने ने महेन्द्रगढ़, गुड़गांवा और फरीदाबाद जिले को पूरा जिला सूखाग्रस्त घोषित किया है । हमारी सरकार ने इन तीनों जिलों के साथ–साथ दूसरे जिलों में भी तकावी ऋण तथा आबियाना आदि ऋणों की वसूली को निलम्बित किया है । मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि जब तक ऋण वसूल नहीं किए जाएंगे, क्या इस दौरान जो इस ऋण का ब्याज होगा उसको भी माफ किया जाएगा है? यदि ब्याज माफ नहीं किया है तो क्या व्याज को माफ करने पर सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी?

**श्री निर्मल सिंह :** इस पर विचार करेंगे ।

**श्री निहाल सिंह :** सरकार ने किसानो को सहायता देने के लिए 2 करोड. रुपये फोडर के लिए रखे हैं । जो फोडर किसानों को सूखाग्रस्त क्षेत्रों में दिया जा रहा है वह बाहर से लाकर दिया जा रहा है । इस बारे में मैं मेली जी से जानना चाहूंगा कि किसानों को फोडर खरीदने के लिए नकद पैसे क्यों नहीं दिए जाने? वैसे भी जो फोडर सप्लाई हो रहा है वह अच्छा नहीं है और महंगा भी काफी है । दूसरे किसानों को जरूरत के

मुताबिक चारा सप्लाई नहीं हो रहा । जिन लोगों को कडुवे चारे की जरूरत है उनको कडुवा चारा सप्लाई नही हो रहा । इसलिए में जानना चाहता हूं कि क्या ऐसे किसानों को फोडर के लिए कैश सबसिडी या नकद पैसे की सुविधा दी जायेगी ?

**श्री अध्यक्ष :** राव साहब, आप किसान भी हैं और काफी बुजुर्ग भी हैं । अगर किसान को फोडर के लिए पैसे दिए जाएंगे तो कग वह किसान शहर जा कर फोडर खरीद करेगा? यदि एक किसान शहरे से जा कर फोडर खरीदेगा तो उसे कितना महंगा पड़ेगा?

**श्री निहाल सिंह :** स्पीकर साहब, अभी भी ट्रक डिपू पर जाता है । या तो सरकार ऐसा प्रबन्ध करे कि जिस गांव में चारे की जरूरत है, ट्रक सीधा – वहीं पर पहुंच जाये ताकि किसानों को दिक्कत न हो ।

**श्री निर्मल सिंह :** सरकार का किसानों को नकद पैसे देने की सुविधा देने का कोई विचार नहीं हे । सिर्फ चारे की सुविधा ही दी जायेगी ।

**श्री कंबल सिंह :** स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि हर जिले में खराबा आदि देखकर आबियाना आदि माफ किया गया है । मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि हर जिले में कितने–कितने एकड़ में खराबा आया है

क्योंकि हमारे पास ऐसी कोई फिगर नहीं है जिससे पता चल सके कि किस जिले में कितना एकड़ में नुकसान हुआ है ।

**श्री निर्मल सिंह :** अभी पूरे खराबे का अनुमान लगाया जा रहा है । आपके यहां बाजरे, मक्का आदि की फसल को जो नुकसान हुआ है, उसका अनुमान भी लगाया जा रहा है ।

**चौधरी इन्द्र सिंह नैन :** सरकार ने सूखाग्रस्त इलाके 'के किसानो का आबियाना, सरकारी ऋण व तकावी ऋणों की वसूली जो सस्पैन्ड की है, उसके लिए सरकार बधाई की पाल है । मैं खासकर हिसार जिले के बारे में पूछना चाहता हू कि कहत तो वहां पर भी पड़ा है । क्या वहां के किसानों को भी वही सुविधा दी जायेगी जो दूसरे जिले के किसानों को दी जायेगी'?

**श्री निर्मल सिंह :** वहां पर कम नुकसान हुआ है क्योंकि किसान ज्यादा खेती कौटन की करते हैं । कौटन पर सूखे का असर ज्यादा नही पड़ा । यदि वहां पर कुछ नुकसान हुआ भी। है, तो वह कौटन की फसल से पूरा हो जायेगा । सरकार का सोनीपत ओर हिसार जिले के लोगों को खाद पर सबसिडी देने का विचार है ।

**श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मती जी से जानना चाहूंगी कि किसानों को जो चारा सप्लाई किया जा रहा है वह किस भाव पर खरीदा जा रहा हे और फिर उसको किस भाव पर वितरित किया जा रहा है?

**श्री निर्मल सिंह :** हमने डी० सीज० को हिदायतें दी हुई हें कि वे जो भी चारा खरीदें, टैण्डर इन्वाइट करके खरीदें ।

**चौधरी अजमत खां :** स्पीकर साहब, यहां पर बताया गया है कि सरकार ने सूखाग्रस्त क्षेत्र के लोगों को खाद और बीज के लिए तकावी और सबसिडी दी है इस बारे में मैं अपने इलाके के बारे में बताना चाहूंगा कि वहां पर गुड़गांवा और महेन्द्रगढ़ जिले में बीज 2009 और डब्ल्यू– 47 जो मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला क्योंकि वहां पर बीज पहुंचा ही नहीं । जो बीज पहुंचा भी है, वह यू ० पी० और राजस्थान को बेच दिया गया । इस इलाके के किसानों को जो सुविधा खाद और बीज पर मिलनी चाहिए थी, वह नही मिली । मै तक कैनाल साफ करने की बात है, वह भी काम नहीं हुआ । मेरे इलाके में किसी नहर की सफाई करने के लिए अभी तक कोई हाथ नहीं लगाया गया है । मैं यह बात यकीन के साथ कह सकता हूं कि मेरे हल्के में अभी तक किसी एक गांव में भी कैनाल का पानी नहीं पहुंचा है और न ही अभी तक सरकार ने, जो फायदा किसानों को दिया है, वह पहुंचा है । जहां तक आर० एल० ई० जी०पी० स्कीम का ताल्लुक है, उसके बारे में मैं कहना चाहता हू कि वहां पर मेरे हल्के में आज के दिन काम की वहुत ज्यादा जरूरत है । सरकार ने आर० एल० ई० जी० पी० स्कीम के लिए जितने पैसे रखे हैं, वे बहुत कम हैं । यदि इन पैसों को सभी जिलों में बराबर–बराबर बांटा जाए तो एक जिले के हिस्से में बहुत कम राशि आती है । इस

बारे में मेरा सरकार को सुझाव है कि इस स्कीम की राशि को भी बढाया जाये ताकि लोगों को अधिक काम मिल सके । सरकार किसानों को जो बीज व दवाई दे रही है' वह समय पर दे । इसके अलावा मेरी सरकार से यह भी रिक्वैस्ट है कि मेरे हल्के में अब जो बीज 1553 दिया जाना है, वह समय पर दे । वहां पर सरकार को खाद पर अवश्य सबसिडी देनी चाहिए । बीज तो किसान पड़ौसी से लेकर भी डाल सकता है । मैं सरकार से पूछना चाहूंगा कि क्या वहां के किसानों को खाद– पर सबसिडी दिए जाने का सरकार का इरादा है?

**श्री जगदीश नेहरा :** अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिले में बिछल भी बारिश नही हुई । वैसे भी वह बारानी एरिया है । वहां पर भी काफी अकाल पड़ा है । मैं सरकार से जानना चाहूंगा कि उस इलाके में अकाल पड़ा होने के बावजूद भी उस इलाके को सूखाग्रस्त क्षेत्र घोषित क्यों नहीं किया गया? दूसरे मैं यह जानना चाहूंगा कि किसी इलाके को अकालग्रस्त घोषित करने का सरकार का क्या मापदण्ड है? इसके अलावा मैं मंत्री जी से यह भी जानना चाहूगा कि अकाल ग्रस्त क्षेत्र में लोगों के जो कर्जे मुल्तवी कर रखे हैं, क्या उनको माफ करने का सरकार का विचार है?

**श्री निर्मल सिंह :** कर्जे माफ करने का सरकार का कोई विचार नहीं है कि किसानों से कर्जे नहीं लिए जाएंगे । सिरसा जिले में नहरी पानी की काफी सुविधा है । अगर वहां पर किसानों का थोड़ा बहुत नुकसान हुआ भी है, तो वह कौटन की फसल से

द्रा हो जाएगा क्योंकि उस एरिया में कौटन की काफी फसल होती है । सरकार ने सूखाग्रस्त क्षेत्र के लोगों को बीज, खाद व कर्जो की वसूलियों की मुलवी आदि की काफी सुविधा दी है ।

**श्रीमती करतार देवी :** अध्यक्ष महोदय, सरकार ने सूखाग्रस्त क्षेत्र के लोगों को जो सहायता प्रदान की है, उसके लिए तो सरकार प्रशंसा योग्य है । मैं मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि जो ऋण सरकार ने मुल्तवी किए हैं क्या मंत्री जी के ध्यान में यह बात है कि किसान को अगला कोप लोन लेने के लिए पहले कोप लोन को वापस करना पड़ता है? सरकार ने अपनी तरफ से ऋण तो सस्पैन्ड कर दिए लेकिन मिनी बैक और सोसायटी आदि की नजरों में किसान डिफाल्टर हो गए हैं और उन्हें जब तक वे पिछला लोन वापस नहीं कर देते अगली फसल के लिए लोन नहीं मिल सकता । क्या सरकार ने इस तरह की कोई हिदायतें दी हैं कि किसान का पिछला लोन सस्पैन्ड रहते अगला लोन मिल सके?

**श्री निर्मल सिंह :** यह लोन हमने? कन्वर्ट कर दिया है । सरकार ने अपनी तरफ से सूखाग्रस्त क्षेत्र के लोगों की काफी सहायता की है ।

**मास्टर राम सिंह :** सरकार किसानों को खाद पर, बीज पर और दवाई पर जो सबसिडी दे रही है, क्या वह बिजाई से पहले देने का इरादा रखती है या बिजाई के बाद देने का इरादा

है? यदि सरकार का बाद में सबसिडी देने का विचार है तो मैं चाहूंगा कि किसानों को यह सबसिडी बिजाई से पहले दी जाये ।

**श्री निर्मल सिंह :** किसानो को यह सबसिडी शुरू में दी जायेगी । पिछले साल यह सबसिडी 25 परसैन्ट थी जबकि इस साल यह सबसिडी 5० परसैन्ट होगी ।

**श्री कंवल सिंह :** स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने कहा था कि फर्टिलाइजर पर सबसिडी देने पर विचार कर रहे हैं । ब्हीट सोईग सीजन को समाप्त होने में केवल एक महीना रहता है । क्या मंत्री जी बताएंगे कि इम बारे में विचार सोइग सीजन समाप्त होने से पहले हो जाएगा ?

**श्री निर्मल सिंह :** इसका फैसला जल्दी ही किया जाएगा ।

## तारांकित प्रश्न सं ० 1170

यह प्रश्न पूछा नही गया क्योकि माननीय सदस्य, श्री फतेह चन्द विज, इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे ।

### Irrigation by S.Y.L. Canal

***1174. Shri Jagdish Nehra :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the areas which are likely to be irrigated in the State-upon the completion of S.Y.L. Canal togetherwith total acreage thereof?

**Irrigation and Power** Minister(Chaudhri Shamsher

Singh Surjewala) : The completion of S.Y.L. Canal in Punjab would enable Haryana to obtain a much larger share of the Ravi Beas waters. With the availability of these waters, assured irrigation will be provided in some additional areas of the State while the present supplies in the other areas will be augmented.

**श्री लछमन सिंह :** स्पीकर साहब, मैं आपकी मार्फत मिनिस्टर साहब से पूछना चाहूंगा कि जब एस० वाई० एल० का पानी आ जाएगा तो क्या अम्बाला डिस्ट्रिक्ट को भी उसमें से इरीगेशन के लिए पानी दिया जाएगा और अगर दिया जाएगा तो कौन– कौन से एरियाज को दिया जाएगा 7

**चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला :** स्पीकर साहब, एस० वाई० एल० का पानी जब मिल जाएगा तो उसके शेयर को ट्रिब्यूनल निर्धारित करेगा । जो पुराना शेयर 35 एम० ए० एफ० का था उसके बेसिज पर जो ऐडहौक शेयर तय किया गया था उसमें डिस्ट्रिक्ट का सवाल नहीं था, उसमें सिस्टम की बात थी । अम्बाला डिस्ट्रिक्ट में इस समय जो नग्गल लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम है, उसको भाखड़ा का पानी मिल रहा है । भाखड़ा नहर के कुछ एरियाज को एस० वाई० एल० के शेयर में से पानी मिलेगा । जहां तक अम्बाला जिले के बाकी एरियाज का सवाल है, उनके लिए सरकार ने दादुपुर नलवी नहर बनाने का निर्णय किया है । यह मल्टी–परपज कैनाल है । यह अम्बाला और कुरुक्षेत्र डिस्ट्रिक्टस के ट्यूबवैल्ज के वाटर लैवल को औगमैट करेगी और बरसात के

मौसम में पैडी वासे इन्नाको को पानी देगी । गवर्नमैंट ने इस नहर के लिए जमीन ऐक्वायर करना शुरू कर दिया है ।

**श्री निहाल सिंह :** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अभी बताया कि जब एस० ई० एल० का पानी मिलेगा तब ज्यादा सिंचाई हो सकेगी । क्या वे बताएंगे कि एस० वाई० एल० को जल्दी कम्पलीट कराने के लिए हरियाणा सरकार क्या कदम उठा रही है ताकि यह पानी हमें जल्दी से मिले ?

**चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, एस० वाई० एल० को जल्दी मुकम्मल करवाने के लिए सरकार ने जो उपाय किए हैं उन्हें सरकार वक्तम–फवक्तन प्रैस के द्वारा बताती रहती है लेकिन फिर भी मैं अर्ज कर दूं कि गवर्नमैंट औफ इंडिया ने एक मौनिटरिग कमेटी बनाई है । उसकी कुछ इन्टरवल के बाद मीटिंग होती है । उस मीटिंग मेहम बार–बार यह प्रैस करते हैं कि इसके लिए जो शिड्यूल पंजाब चाहता है उसे कम करके इसको जल्दी कम्पलीट किया जाए । मुख्य मती जी ने प्रधान मती जी को और पंजाब के चीफ मिनिस्टर को पत्र भी लिखे हैं कि जून 1987 तक यह कैनाल पूरी होनी चाहिए । सरकार हर स्टेज के ऊपर प्रयत्न कर रही है कि इस नहर का काम जल्दी पूरा किया जाए ।

**श्री जगदीश नेहरा :** अध्यक्ष महोदय, मैंने जो सवाल पूछा था उसका जवाब ठीक ढंग से नहीं आया है । स्पीकर साहब, मैंने यह पूछा था कि एस० वाई० एल० नहर जब बन जाएगी तो

कौन से एरियाज को पानी दिया जाएगा? इन्होंने केवल औगमैन्टेशन की बात– कहकर अपना जवाब खत्म कर दिया । इन्होंने यह नही बताया कि जो पानी आ रहा है वह कितने ऐडीशनल एरिया में लगेगा । इन्होंने यह भी नहीं बताया कि भाखड़ा का जो ऐवरेज पानी अब दिया जाता है, एस० वाई० एल० का पानी आने से उसमें कुछ फर्क पड़ेगा या जमीदार को उतना ही पानी मिलेगा जितना कि उसे अब मिल रहा है?

**चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, इस वक्त हरियाणा प्रान्त में कल्चरेबल कमाण्ड एरिया 29,08,220 हैक्टेयर्ज है । इसमें से इरीगेटिड एरिया 19,45,421 हैक्टेयर्ज है । एस० वाई० एल० का पानी मिलने के बाद, जो अनुमान 3.5 एम० ए० एफ० पानी पर लगाया गया है पुरानी ऐलोकेशन के हिसाब से, उसके अतिरिक्त हरियाणा की 14 लाख एकड़ जमीन को ऐडीशनल पानी मिलेगा । कौन से एरियाज को मिलेगा इसके बारे में, मैं फिर बताना चाहूंगा कि इसमें एरिया का सवाल नहीं है बल्कि सिस्टम त्हा सवाल है । ऐडहौक तौर से जिन सिस्टम्ब को पानी मिलेगा, वे हैं –जे० एच० एन० कैनाल, जुई, लोहारू, सिवानी, गुड़गांव कैनाल्ज, नग्गल लिफ्ट इरीगेशन स्कीम, डबल्यू० जे० सी० के तमाम एरियाज, थानेसर डिस्ट्रिब्यूटरी और भाखड़ा सिस्टम के सारे एरियाज ।

**श्री जगदीश नेहरा :** अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और पूछना चाहता हूं । एस० वाई० एल० का पानी जब आएगा तो

उसके बाद पंजाब के एरियाज में कितना पानी लगेगा और हरियाणा के एरियाज में कितना पानी लगेगा, ये सारी डिटेल्ज भी मंत्री महोदय बता दें । (विध्न )

**चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, अब ऐप्रूव्ड इंटैसिटी आफ इरीगेशन भाखड़ा एरियाज में 62 परसैंट है । लिफ्ट इरीगेशन के एरियाज में 62 परसैट है और जमुना के एरियाज में 50 परसैंट है । लेकिन ऐक्चुअल इंटैंसिटी औफ इरीगेशन भाखड़ा एरियाज में 90 परसैंट, जमुना के एरियाज में 75 परसैट और लिफ्ट इरीगेशन वाले एरियाज में 14 परसैट के लगभग है । जब एस० वाई० एल० का पानी आ जाएगा तो 62 परसैट इंटैसिटी के हिसाब से 14 लाख एकड़ ऐडीशनल जमीन को पानी मिलेगा । इस वक्त पंजाब में इटैंसिटी औफ इरीगेशन 145 परसैट है जबकि हइप्रयाणा में 62 परसैंट है । इसीलिए, हरियाणा सरकार चाहे कोई ट्रिब्यूनल है या गवर्नमैंट औफ इंडिया है, उनको बार–बार प्रैस कर रही है कि 62 परसैट इंटैंसिटी के हिसाब से 14 एम० ए० एफ० पानी की हमारी और डिमांड है । रावी व्यास के पानी का फैसला करने वाले ट्रिब्यूनल के सामने हमारी डिमांड है कि 35 एम० ए० एफ० से ज्यादा शेयर हमें मिले । कहने का मतलब, अध्यक्ष महोदय, यह है कि 14 एम० ए० एफ० पानी हमें और चाहिए तब जाकर 62 परसैंट इरीगेशन की इंटैंसिटी हमारी हो सकती है । अगर हमने पंजाब के बराबर पानी देना हो तो लगभग 30 या 40 एम० ए० एफ० पानी ओर चाहिए ।

**Issue of Gun or Revolver Licences**

**@*1171. Chaudhri Azmat Khan : Will the** Chief Minister be pleased to state the sub-division-wise number of persons to whom gun or revolver licences have been issued during the years 1984-85 and 1985-86 in the State togetherwith the names and addresses of the persons belonging to Nuh, Ferozepur Jhirka and Palwal sub-divisions to whom the said licences have been issued?

**श्री अध्यक्ष** : इस प्रश्न के लिए गवर्नमैंट ने ऐक्सटैंशन मांगी है जो कि ग्रान्ट कर दी गई है । मंत्री महोदय से प्राप्त पत्र इस प्रकार है–

## अन्तरिम उत्तर

"D.O.No.5/166/86-5HGI

BANSI LAL

Chief Minister ,
Haryana,

Chandigarh.

November 22/24, 1986.

My dear Speaker,

Starred Assembly Question No. 1171 asked by Shri Azmat Khan, M.L.A. has been listed for 25th November, 1986. The information asked for has to be collected from all districts and sub-divisions in the State. It is not possible to collect and furnish the same by 25th November 1986. I, therefore, request you to postpone the consideration of this question for the next

week.

With kind regards,

Yours sincerely,

Sd./-

(BANSI LAL)

S. Tara Singh,

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh."

**Revision of Pay Scales of Government Employees**

***1191. Seth Ram Dass Dhamija :** Will the Finance Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal to revise the pay scales of the employees of the State on the pattern of the Report of the Fourth Pay Commission of the Central Government ; and

(b) if so, the time by when a decision in the matter is likely to be taken?

**Finance Minister** (Chaudhri Katar Singh Chhokar):

(a) Only Part-I of the Report of the Fourth Central Pay Commission has been received. The Report is being examined.

(b) A decision in the matter will be taken in due course.

**सेठ राम दास धमीजा :** स्पीकर साहब, 2 1– 1 1–1986 को भारत सरकार ने फैसला किया है कि 3,500 रुपये तक वेतन त्वेने वाले कर्मचारियों तथा अधिकारियों को 4 प्रतिशत के हिसाब से महंगाई भत्ता मिलेगा । पे–कमीशन की रिपोर्ट भी सरकार के पास आ गयी है । भूतपूर्व वित्त मती जी ने 25–2–1986 को अपने बजट भाषण के पेज 24, पैरा 50 में कहा था कि जब सैन्ट्रल–पे कमीशन की रिपोर्ट आ जाएगी तो हम उस पर विचार करेंगे । स्पीकर साहब, अब चूकि वह रिपोर्ट आ गई है इसलिए क्या सरकार उस पर जल्दी ही सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी ताकि हरियाणा के कर्मचारियों को भी लाभ हो सके?

**चौधरी कटार सिंह छोकर :** स्पीकर साहब, सरकार ने पें–स्ट्रक्चर को री–ऐग्जामिन करने की बात कही थी, वह हम कर रहे हैं ।

**श्री जगदीश नेहरा :** स्पीकर साहब, मै, माननीय मती जी से जानना चाहूंगा कि जो पे–स्केल्ज की ऐनोमलीज हैं, उनको हल करने के लिए कोई पर्मानैन्ट कमेटी बनाने की बात सरकार के विचाराधीन है?

**चौधरी कटार सिंह छोकर :** ऐनोमलीज कमेटी जरूरत पड़ने पर बनाते हैं। 1979 में जब स्केल्ज रिवाइज हुए थे तो ऐनोमलीज कमेटी बनाई गई थी । काफी लम्बे समय तक वह काम

करती रही । अब उसे समाप्त कर दिया गया हे क्योंकि तकरीबन सारी ऐनोमलीज दूर कर दी गई थीं ।

**Construction of S.Y.L. Canal**

***1163. Shri Bhalle Ram and Shri Jagdish Nehra :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the present stage of completion of the different major works involved in the construction of the S.Y.L. Canal in the Punjab territory ;

(b) the total area of land, if any, still remains to be acquired for the construction of the said canal ; and

(c) the time by which the construction of the said canal is likely to be completed at the current pace of construction work going on the project ?

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) :

(a) The four major parameters of the work are earthwork, lining, cross drainage works and bridges. The progress on each of these aspects as on 31st October, 1986 was as under :—

| | | |
|---|---|---|
| (i) | Earthwork | 67% |
| (ii) | Lining : | 9.8 % |
| (iii) | Cross Drainage Works: | Out of a total of 52 Cross Drainage works, work was in |

| | | |
|---|---|---|
| | | progress in 19 Nos. |
| (iv) | Bridges : | Out of a total of 70 road bridges, work was in progress on 30 Nos. Of the three Railway Bridges, the one near Rajpura is complete while the other two are **in** progress. |

(b) About 33 acres of land was yet to be acquired on 31st October, 1986.

(c) As per the revised schedule submitted by the **Pu** njab Government, which was discussed recently at a meeting taken by the Government of India the work is likely to be completed by December, 1987. But Haryana Government is pressing that the canal may be completed by June, 1987.

**श्री अध्यक्ष :** अगला सवाल भी एस० वाई० एल० के बारे में ही है । अगर मैम्बर साहिबान सहमत हों तो यह क्वैश्चन भी पूछ लिया जाए । इसके बाद इन दोनों क्वैश्चन्ज पर सप्लीमैंटरीज इकट्ठे ही पूछ लिए जाएं ।

**आवाजें :** ठीक है जी ।

**Sharing of Expenditure of S.Y.L. Canal**

***1175. Shri Jagdish Nehra :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total estimated cost of construction of S.Y.L. canal as at present ;

(b) the manner in which the costs involved on the construction of the said canal are liekly to be apportioned by different States/Union Territories; and

(c) the total amount so far paid by the States/Union Territories, as referred to in part (b) above, separately?

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) :

(a) The latest revised estimates submitted by the Punjab Government for the S.Y.L. canal project in Punjab Territory exceeds Rs. 300 crores. A final view on these estimates is yet to be taken.

(b) The cost involved on the construction of S.Y.L. canal in Punjab Territory is being apportioned by Government of Haryana and Punjab in the ratio of 5:1 on adhoc basis' as decided by the Cabinet Secretary, Government of India, in November, 1983. However, the issue of actual apportionment of cost between Haryana and Punjab States is yet to be decided by Goverment of India.

(c) The contribution made by Haryana and Punjab upto 31st October, 1986 was a& follows :

| | | |
|---|---|---|
| (i) | Amount paid by Haryana State | Rs. 141.75 crores. |
| (ii) | Amount paid by Punjab State | Rs. 19.25 crores. |

| | | |
|---|---|---|
| | Total : | Rs. 161.00 crores |

**श्री जगदीश नेहरा :** जनाब स्पीकर साहब, मती महोदय ने मेरे सवाल के (ग ) भाग के उत्तर में बताया है कि नहर का निर्माण कार्य दिसम्बर, 1987 तक पूरा किये जाने की सम्भावना है । मैं आपके द्वारा मती महोदय से जानना चाहूंगा कि अगर वहां पर राउन्ड दि क्लाक काम चले तो कितने समय में पूरा हो सकता

**चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला :** स्पीकर साहब, जैसा कि मैंने पिछले सवाल के जवाब में बताया था कि चीफ मिनिस्टर साहब ने प्रधान मैली जी को भी चिट्ठी लिखी है कि एस०वाई० एन० नहर का काम जल्दी से पूरा किया जाये । तीन शिफ्टों में काम किया जाये – तो जून, 1987 तक पूरा हो सकता णै ।

**श्री भले राम :** स्पीकर साहब, सिंचाई मती जी कई बार इस नहर की प्रोग्रैस को देखने के लिए गये हैं । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वहां की प्रोग्रैस सैटिसफैक्टरी है या नही? अगर सैटिसफैक्टरी नहीं है तो क्या गवर्नमैंट आफ इंडिया द्वारा टेक–ओवर करने की बात की हे?

**चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला :** यह बात ठीक है कि वहां की प्रोग्रैस से हरियाणा सरकार सन्तुष्ट नहीं है । इसीलिए वार–बार गवर्नमैंट आफ इंडिया के उच्च अधिकारियों की बैठके हुई हैं और राजनैतिक स्तर पर तथा व्यक्तिगत तौर पर मिल कर इस बात को प्रैस किया जा रहा बै कि वहां पर काम की गति को

तेज किया जाये । पंजाब के मुख्य मंत्री को भी कहा जा रहा है क्योंकि वहां पर आज तक पूरी तरह से जमीन भी एक्वायर नहीं हुई है । दूसरे लाइनिंग की प्रोग्रैस 31– 10–86 तक 98 परसैन्ट हुई है जबकि एस्टीमेटिड क्वांटिटी 53 58 लाख स्केयर मीटर आफ लाइनिंग होनी चाहिए थी । इसी प्रकार से अक्तूबर के महीने में वर्क 15 परसैन्ट किया जब कि 2. 76 लाख स्केयर मीटर करना चाहिए था । 16 क्रौस ड्रैनेज वर्क्स ऐसे हैं, जिनकी ड्राईग वगैरा भी तैयार नही हुई है और उन पर अभी तक काम शुरू नहीं किया है । इस तरह डिफरैन्ट पैरा–मीटर्ज पर काम की गति ऐसी नहीं लगती कि दिसम्बर, 1987 तक वह पूरा हो जायेगा । इसलिए हरियाणा सरकार इस बारे में बड़ा दबाव दे रही है कि तीन शिफ्टों में काम किया जाये और काम में जो देरी हो रही है, उसे जल्दी से कम्पलीट किया जाये ।

**श्री निहाल सिंह :** स्पीकर साहब, कुछ अर्से पहले अपोजीशन के एम० एल ० एज० एस० वाई० एल० नहर के काम को देखने के लिए गये थे । उन्होंने देखने के बाद ब्यान दिया था कि काम सैटिसफैक्टरी है । क्या मंत्री महोदय ने उन मैम्बरान से पूछा है कि उनकी किस तरह से और किम बात से तसल्ली है?

**चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला :** मेरी उन मैम्बरान से कोई बात नहीं हुई क्योंकि वे मैम्बर्ज चण्डीगढ़ नहीं आते । प्रैस के द्वारा मैंने भा और आप लोगों ने भी पढ़ा होगा, यह बात बार–बार आयी । इस बात से ऐसा लगता है कि उनकी पार्टी में

बड़ा भारी कनफ्यूजन है । उन्होंने जो ब्यान दिया है वह बहुत हानिकारक और डेमैजिग है । उससे हरियाणा सरकार तथा पूरे प्रान्त की स्थिति को काफी धक्का लगा है । जो कुछ भी उन्होंने कहा, उसे हम सब को कन्डैम करना चाहिए । हरियाणा सरकार का स्टैन्ड है कि काम की गति बहुत कम हो रही है । जैसा कि मैंने हर पैरामीटर की प्रोग्रेस बतायी है, वह बहुत कम है । इसलिए हरियाणा सरकार का स्टैन्ड है कि भारत सरकार स्वयं अपने हाथ में इसके काम को ले और वहां तीन शिफ्टों में काम चालू करके उसे पूरा करके दे ।

**श्री अध्यक्ष :** राव साहब, उस व्यान से वे लोग सियासी फायदा उठाना चाहते हैं और वोट लेना चाहते हैं ।

**श्री जगदीश नेहरा :** अध्यक्ष महोदय, मेरी श्री ओम प्रकाश बेरी वाले से बात हुई थी । उन्होंने कहा था कि यह पोलिटिकल मैटर है, इसलिए यह बात कह रहे हैं । स्पीकर साहब मंत्री महोदय ने बताया है कि 70 पुलों में से केवल 30 पुलों पर ही कार्य प्रगति पर है और तीन रेलवे पुलों में से केवल एक पुल बना है और अभी काफी साइफन और ऐक्वीडक्ट्स भी बनने हैं । इस ढंग से यह कैनाल दिसम्बर 1987 तक नहीं .बन पायेगी ।

**श्री अध्यक्ष :** अगर तीन शिफ्टों में काम हो तो वह बन सकती है ।

**श्री जगदीश नेहरा :** तीन शिफ्टें होने पर भी काम होना मुश्किल है । साइ– फन्ज और ऐक्वीडक्ट्स में ही काफी समय लगता है, इसके इलावा और भी बहुत से काम हैं । मैं मंत्री जी से जानना चाहुंगा कि क्या वे इस बात से सहमत हैं कि दिसम्बर, 1987 तक यह नहर पूरी नहीं हो सकती ?

**चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला :** स्पीकर साहब, मैं इस बात से बिछल सहमत नहीं हू । कोई वजह नही है कि जून, 1987 तक पूरी न हो । हमने इस बात का पूरा अनुमान लगाया है और कोई ऐसा काम भी नहीं है जो सरमाउटिंग न हो । जो–जो मुखतलिफ पैरामीटर्ज हैं, अगर आज भी उन पर तेजी से काम किया जाये तो जून, 1987 तक पूरा हो सकता है ।

**श्री लछमन सिंह :** स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर साहब ने फरमाया है कि पानी को डिस्ट्रिब्यूशन 35 एम ० ए० एफ ० के हिसाब से होगी । मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि कैनाल की जो खुदाई हो रही है क्या वह 3.5 एम ० ए० एफ० के हिसाब से हो रही है? पंजाब के अन्दर जो इस नहर की खुदाई में डिले हो रही है, क्या इस कारण से तो नहीं हो रही है कि इराडी कमीशन बैठा हुआ है? पंजाब वालों का ख्याल हो कि पानी में कमोबेश हो जाये इसलिए कन्सट्रक्शन न होने दे रहे हों । इराडी कमीशन में पानी घट भी सकता है और बढ़ भी सकता है । इस कारण से वे इस नहर को न बनने दे रहे हों । दूसरे मैं भी वहां गया था लेकिन मुझे तो वहां पर कोई आदमी दिखायी नहीं दिया । चार

या छः खोतों के सिवाए कुछ दिखायी नहीं दिया । मुझे तो लगता नहीं कि यह कैनाल 1987 या सन 1997 तक भी खुद जायेगी ।

**चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला :** मैं सरदार लछमन सिंह जी से दरखास्त करूंगा कि वे उन्हें सदबुद्धि दें । संघर्ष समिति या लोकदल के लोग गये थे वे उनके पुराने साथी रहे हैं कौर उनके काफी नजदीक भी रहे हैं । उनके तीन मैम्बर्ज वहां गये थे, इसलिए उन्हें अकल दें कि ऐसी बातें न करें । जहां तक उनकी इस बात का, सम्बन्ध है कि यह नहर 3.5 एम० ए० एफ ० कैपेसिटी की बननी है या ज्यादा की बननी है, उसके लिए वे आलरेडी एग्रीड हैं और वह ज्यादा कैपेसिटी की बन रही है । हरियाणा पोरशन साढ़े छः हजार क्यूसिक का बन चुका है और पिछला जो पंजाब में बनना है, वह दस हजार क्यूसिक के करीब बन रहा है यानी जहां से यह शुरू होगी । हमें अगर 4 एम० ए० एफ० पानी भी मिल जाये या इससे ज्यादा मिल जाये तो भी इसमें पानी आ जायेगा । पंजाब मे नहर के न बनने की भिन्न–भिन्न वजूहात हैं जिनके बारे में हम गवर्नमैंट आफ इंडिया को समय–समय पर प्वायंट आउट करते रहे हैं ।

**श्री भले राम :** क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि पंजाब का इस नहर के लिये कितना हिस्सा बनता है, कितना पैसा दे दिया है और कितना बकाया चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला इस कैनाल का पुराना अनुमान 272 करोड़ रुपया का था । उसके हिसाब से हरियाणा और पंजाब ने 5 और 1 के

अनुपात से कन्ट्रीब्यूट करना था । हरियाणा ने अभी तक 141. 75 करोड़ रुपया नकद और 2.80 करोड़ रुपये की मशीनें पंजाब को सप्लाई की हैं । पंजाब ने अभी तक 19.25 करोड़ रुपया कान्ट्रीज किया है जबकि उसका कान्ट्रीब्यूशन 141.75 करोड़ रुपये के हिसाब से 28 35 करोड़ रुपया बनता है ।

**Primary Cooperative Land Development Banks**

***1172. Chaudhri Azmat Khan :** Will the Minister of State, for **Cooperation** be pleased to state—

(a) the total number of Primary Cooperative Land Development Banks in the State as at present togetherwith the sanctioned strength of L.V.Os, Clerks and Daftries in each of the said Banks and the number of such employees working therein ; and

(b) the steps being taken to meet the shortage of staff, if any, in the said Banks?

**सहकारिता सउप मन्त्री (श्री प्यारा सिंह ) :**

(क ) विवरण विधान सभा के पटल पर रखा जाता है ।

(ख ) मामला बैक के विचाराधीन है ।

**विवरण**

**(जैसा 31—10—1986 को )**

| क्र० | प्राथमिक सहकारी | प्रत्येक बैंक का स्वीकृत | प्रत्येक बैक में काम |
|---|---|---|---|

| सं० | भूमि विकास बैंक का नाम | अमला | | | करने वाले कर्मचारियों की वास्तविक संख्या | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | एल० वी० ओ० | क्लर्क | दफतरी | एल ० बी ० ओ० | क्लर्क | दफतरी |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | अम्बाला | 6 | 6 | | 2 | 4 | 1 |
| 2. | जगाधरी | 5 | 5 | | 3 | 3 | 1 |
| 3. | छछरौली | 5 | 6 | | 4 | 3 | 1 |
| 4. | नारायणगढ | | | | 3 | 5 | |
| 5. | बिलासपुर | 4 | 4 | | 2 | 1 | |
| 6. | पंचकूला | 2 | 2 | | 1 | | |
| 7. | बराड़ा | 4 | 4 | | 3 | 2 | |
| 8. | करनाल | 11 | 11 | | 4 | 7 | 1 |
| 9. | असंध | 6 | 7 | | 4 | 4 | 1 |
| 10. | नीलोखेड़ी | 8 | 8 | | 3 | 1 | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 11. | पानीपत | 5 | 5 | | 5 | 4 | |
| 12. | इन्द्री | 8 | 8 | | 3 | 3 | |
| 13. | इसराना | 6 | 6 | | 3 | 3 | |
| 14. | घरौंडा | 5 | 5 | | 3 | 5 | |
| 15. | सम्भालखा | 6 | 6 | | 3 | 4 | |
| 16. | कुरुक्षेत्र | 8 | 8 | | 5 | 5 | 1 |
| 17. | कैथल | 6 | 6 | | 5 | 5 | 1 |
| 18. | रादौर | 5 | 5 | | 3 | 2 | |
| 19. | शाहबाद | 4 | 4 | | 3 | 2 | |
| 20. | पेहवा | 5 | 5 | | | | |
| 21. | पुण्डरी | 5 | 5 | | 4 | | |
| 22. | गुहला एट चीका | 9 | 10 | | 3 | 3 | 1 |
| 23. | सोनीपत | | | | 3 | 6 | 1 |
| 24. | गोहाना | 7 | 7 | | 4 | 3 | 1 |
| 25. | मुढलाना | 4 | 5 | | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 26. | जीन्द | 6 | 7 | | 8 | 8 | 1 |
| 27. | सफीदों | 5 | 6 | | 5 | 6 | 1 |
| 28. | नरवाना | 7 | 7 | | 4 | 6 | 1 |
| 29. | कलायत | 3 | 3 | | 3 | 3 | |
| 30. | उचाना | 4 | 4 | | 4 | 4 | |
| 31. | रोहतक | 6 | 6 | | 7 | 8 | 1 |
| 32. | बहादुरगढ | 10 | 10 | | 7 | 6 | 1 |
| 33. | कोसली | 5 | 5 | | 3 | 4 | 1 |
| 34. | मातनहेल | 5 | 5 | | 4 | 4 | |
| 35. | झज्जर | 10 | 10 | | 7 | 5 | 1 |
| 36. | देरी | 6 | 6 | | 2 | 3 | |
| 37. | महम | 4 | | | 2 | 2 | |
| 38. | गुडगावां | 7 | 7 | | 4 | 3 | 1 |
| 39. | पटौदी | 5 | 5 | | 5 | 3 | 1 |
| 40. | सोहना | 5 | 5 | | 3 | 1 | 1 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 41. | नूह | 4 | 4 | | 4 | 3 | 1 |
| 42. | फिरोजपुर झिरका | 4 | 4 | | 4 | 3 | 1 |
| 43. | हथीन | 4 | 4 | | 5 | 4 | 1 |
| 44. | पुन्हाना | 4 | 4 | | 3 | 4 | |
| 45. | तावडू | 4 | 4 | | 2 | 1 | |
| 46. | पलवल | 8 | 9 | | 6 | 3 | 1 |
| 47. | बल्लभगढ़ | 5 | 5 | | 4 | 3 | 1 |
| 48. | महेन्द्रगढ़ | 6 | 7 | | 6 | 5 | 1 |
| 49. | रिवाड़ी | 6 | 6 | | 4 | 4 | 1 |
| 50. | नारनौल | 7 | 8 | | 5 | 7 | 1 |
| 51. | बावल | 3 | 3 | | 3 | | |
| 52. | हिसार | 8 | 8 | | | | 1 |
| 53. | आदमपुर | 5 | 6 | | 5 | 5 | 1 |
| 54. | बरवाला | 5 | 5 | | 5 | 6 | |
| 55. | टोहाना | 10 | 10 | | 4 | 4 | 1 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 56. | फतेहाबाद | 6 | 7 | | 8 | 7 | 2 |
| 57. | रतिया | 5 | 5 | | 5 | 3 | 1 |
| 58. | भिवानी | 5 | 5 | | 3 | 8 | |
| 59. | सिवानी | 4 | 4 | | 5 | 6 | |
| 60. | लोहारु | 6 | 6 | | 4 | 3 | |
| 61. | दादरी | 8 | 8 | | 8 | 7 | 1 |
| 62. | ऐलनाबाद | 7 | 7 | | 6 | 1 | 1 |
| 63 | बाढड़ा | 9 | 9 | | 3 | 5 | -- |
| 64. | कालांवाली | 4 | 4 | | 4 | 5 | 1 |
| 65. | डबवाली | 6 | 7 | | 4 | 3 | 1 |
| 66. | सिरसा | 13 | 13 | | 10 | 7 | 1 |
| 67. | भवानी खेड़ा | 4 | | | 5 | 5 | 1 |
| 68. | हांसी | 6 | 7 | | 7 | 9 | 1 |
| | कुल | 398 | 411 | | 290 | 285 | 45 |

**चौधरी अजमत खां :** स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने इस सवाल के जवाब में दिये गये टेबल में बताया है कि 108

पोस्टें एल० वी० ओज० की और 126 पोस्टें क्लर्कों की खाली पड़ी हैं । जितना स्टाफ आजकल बैकों में लगा हुआ है, मैं समझता हूं कि उससे काम चल नहीं सकता । जैसे सोहना और बल्लभगढ़ को ही ले लें । सोहना में 5 क्लर्कों की पोस्टें सैक्शन्ड हें जबकि वहां पर सिर्फ एक ही क्लर्क लगा हुआ है । मैं यह समझता हूं कि क्लर्कों की कमी की वजह से भी बैक का काम अच्छी तरह से नहीं चल पाता । क्या सरकार ऐसे कर्मचारियों को जो एडहाक पर लगे हुए हैं और जिन्होंने 210 दिन पूरे कर लिये हैं और लेबर कोर्ट के जरिये आते रहते हैं, ले लेगी या फिर नयी भर्ती करने की कोशिश करेगी 7

**श्री प्यारा सिंह :** स्पीकर साहब, यह केस हाई कोर्ट में चल रहा है । पिछले दिनों 12– 13 आदमियों के बारे में हाई कोर्ट ने फैसला किया है । जो भी फैसला कोर्ट का होगा, हम उसको मानेंगे ।

**श्री जगदीश नेहरा :** स्पीकर साहब, वे आपकी मार्फत मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि हरियाणा में नये सहकारी भूमि विकास बैंक खोलने के लिये क्या कोई योजना विचाराधीन है, अगर हां, तो कितने खोले जायेगे?

**श्री प्यारा सिंह :** सर, 6 बैक और खोले जा रहे हैं जिनकी मन्जूरी आ चुकी है । वे हैं तोशाम, निसिंघ, भूना और कलानौर इत्यादि में ।

**श्री जगदीश नेहरा :** अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से आपके जरिये एक बात और जानना चाहूंगा कि इन बैकों में जितने भी मुलाजिम हैं, वे काफी सालों से पक्के नहीं हैं, क्या उनको परमानैंट करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है या नहीं है?

**श्री प्यारा सिंह :** इस बैक में 4 क्लर्को और कुछ एल० बी० ओज० को छोड़कर वाकी सब पक्के हैं ।

**चौधरी लाल सिंह :** स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि कौन कौन से बैंक ऐसे हैं जहां पर स्टाफ की कमी है? क्या वे उनके नाम बतायेगे जहां पर स्टाफ कम है?

**श्री प्यारा सिंह :** 68 बैक चल रहे हैं जिनका ब्यौरा दिया हुआ है, उसको पढ़ ले।

**श्री निहाल सिंह :** स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्द्री जी से एक बात पूछना चाहता हूं कि नया बैक खोलने के लिये, उस ब्लाक की या उस एरिया की कितनी टर्न ओवर होनी चाहिये जिससे कि वहां पर यह बैक खुल सके? क्या कहीं पर इन्होंने टर्न–ओवर कम होने के बावजूद भी बैक खोले हुए हैं, अगर हां तो कहां–कहां पर?

**श्री प्यारा सिंह :** सर, नाबार्ड बैक खोलता है । इसके लिये केस रजिस्ट्रार बनाकर भेजता है । नौर्मली तो जहां पर टर्न ओवर 1 करोड़ या 90 लाख तक है, वहीं पर यह बैक खोला जाता है ।

**चौधरी अजमत खां :** स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने अभी यह बात कही हे कि जहां पर टर्न ओवर 1 करोड़ या 90 लाख तक होती है, हम बैंक खोलते हैं । पलवल की टर्न–ओवर 6 करोड़ है और इसमें होडल की टर्न–ओवर भी शामिल है । इस बात को देखते हुए कि सारी– तहसील में सिर्फ एक ही बैक है, क्या सरकार होडल में भी एक बैक खोलने की इजाजत देगी?

**श्री प्यारा सिंह :** अगर वहा पर जरूरत हुई तो जरूर खोल देंगे ।

**श्री कंवल सिंह :** अध्यक्ष महोदय, यह जो लिस्ट इन्होंने अपने जवाब के साथ लगायी है, इसको अगर आप गौर से देखें तो पता चलता है कि बहुत सी जगहें ऐसी हैं जहां सैक्शन्ड स्ट्रैन्थ से कम स्टाफ लगा हुआ है लेकिन कई जगह उससे ज्यादा भी लगा हुआ 'है, इसकी क्या वजह है?

**श्री प्यारा सिंह :** सर, केवल 5–6 बैक ही ऐसे हैं जहां पर ज्यादा स्टाफ क्या हुआ है ।

**श्री जगदीश नेहरा :** अध्यक्ष महोदय, यह जो लैंड मौर्गेज बैक पहले खुले थे, यह जमीनों को रहन करने के लिये थे और जमीदारों को पैसा देने के लिए बने थे । अब इन बैकों ने जमीनों को रहन रखना तो बन्द कर दिया है जबकि बेसिकली इनका परपज यही है । यह बैक बेसिकली जमीन प्लैज करने कें

लिये बनाये गये थे, क्या कारण है कि अब यह वह काम नहीं करते?

**श्री प्यारा सिंह :** यह जो भूमि विकास बैक हैं, इनके पास अब 25–30 स्कीमें और आ गयी हैं । हमने 11 करोड़ रुपया इस साल जमीन खरीदने, जमीन छुड़ाने और हाउस फार्म के लिये दिया है । इसके अलावा अगले साल में कुछ रुपया औत आ जायेगा ।

**श्री लछमन सिंह :** स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने बैंकों में सैंक्शन्ड पोस्टों की और वास्तव में काम करने वारने आदमियों की लिस्ट टेबल पर रखी है । आजकल बेरोजगारी बहुत ज्यादा है । बैक लेन–देन का काम ही करते रहेंगे या खाली पोस्टों को भरने के लिये भी कुछ करेंगे? अगर भरने के लिये कुछ करेगे तो कब तक भरी जायेगी? अब तक उन पोस्टों को न भरने के क्या कारण हैं, क्या जल्दी ही इनको भर देंगे?

**श्री प्यारा सिंह :** स्पीकर साहव, हम बहुत जल्दी ही इन पोस्टों को भरने जा ने हैं ।

**चौधरी साहब सिंह सैनी :** स्पीकर साहब, मैं भी मन्त्री जी से एक सप्लीमैंट्री पूछना चाहता हूं । अभी मन्त्री जी ने उन जगहों के नाम गिनाये थे, जहां ये नये बैक खोलने जा रहे हैं । लाडवा एक ब्लाक भी है और बिजनैस भी एक करोड़ से ज्यादा

का है । क्या मन्त्री जी वहां पर भी यह बैंक खोलने की कृपा करेंगे?

**श्री प्यारा सिंह :** केस तै यार हो रहा है । जल्दी ही फाइनेलाईज करके भेज देंगे ।

**चौधरी अजमत खां :** अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने बताया हे कि पी ० सी ० एल ० डी ० बीज ० का लोन मुलतवी कर दिया गया है और वह अब अगली फसल पर लिया जाएगा । मैं सदन को बताना चाहता हू कि अभी तक मुलतवी करने के आर्डर्ज भी नहीं किये गए हैं और वसूली जारी है । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि मुलतवी करने के आर्डर्ज कब तक जारी कर देंगे?

**श्री प्यारा सिंह :** स्पीकर साहब, जहां तक चार–पांच जिलों का ताल्लुक है हम वसूली नहीं कर रहे हैं और न ही हम कोई सख्ती कर रहे हैं । शौर्ट टर्म लोन को मीडियम टर्म लोन में तबदील कर दिया है और मीडियम टर्म लोन की वसूली को मुलतवी कर दिया है ।

**मास्टर राम सिंह :** स्पीकर साहब, लैड मारगेज बैक के द्वारा अब तक दो सौ रजस्ट्रियां हो चुकी हैं लेकिन लोगों को अब तक लोन नहीं मिला है । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि लोगों को कब तक लोन मिल जाएगा?

**श्री प्यारा सिंह :** स्पीकर साहब, हम ग्यारह करोड़ रुपया बांट चुके हैं हमने और रुपया मांगा है । जैसे ही रुपया मिल जाएगा हम लोगों को दे देंगे ।

**डा ० ओम प्रकाश शर्मा :** स्पीकर साहब, सवा–दो साल पहले अम्बाला कोआप्रेटिव बैक में मिनि बैक सेक्रेटरीज की भर्ती हुई थी । ऐडवरटाइजमैंट के समय जो पे–स्केल निकाला गया उसके हिसाब से उनकी टोटल पे 1050.00 रुपए बनती है लेकिन अब तक उनको पांच सौ रुपया महीना दिया जा रहा है । क्या मन्त्री महोदय इनके केस में वे सारी कंडीशंज पू री करेंगे जो ऐडवरटाइज की गई थीं?

**श्री प्यारा सिंह :** इसके लिए अलग से नोटिस दे दें ।

**श्री भले राम :** स्पीकर साहब, स्टेट में बहुत से बैंक ऐसे हें जो प्रौफिट में चल रहे हैं लेकिन वे किराये की बिल्डिंग्ज में रन कर रहे हें । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या कोई ऐसी तजवीज है कि वे जमीन लेकर अपनी बिल्डिंग बनाएं और अपनी बिल्डिग्ज में बैंक रन करें ?

**श्री अध्यक्ष :** यह अलग क्वैश्चन है ।

**Income accrued from Sales Tax**

***1192. Seth. Ram Dass Dhamija :** Will the Minister for Industries **be** pleased to state the total average monthly income accrued from Sales Tax during the years 1985-86 and

L986-87 (to-date)?

**उद्योग मन्त्री (श्री श्रीकिशन दास ) :**

| वर्ष | कुल वसूली (रुपये लाखों में ) | मासिक औसतन आय (रुपये लाखों में ) |
|---|---|---|
| 1985— 86 | 23,485—18 | 1,957— 10 |
| 1986— 87 (अक्तूबर, 86 तक ) | 12,277— 07 | 1,753— 87 |

**सेठ राम दास धमीजा :** क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि टैक्स बढ़ने के बावजूद आमदनी घटने का क्या कारण हे?

**श्री श्रीकिशन दास :** स्पीकर साहब, आमदनी घटी नहीं है । पहले आमदनी 16 करोड़ 44 लाख 68 हजार थी और अब आमदनी 17 करोड़ 53 लाख 87 हजार हो गई है यह अक्तूबर तक की फिगर है ।

**सेठ राम दास धमीजा :** स्पीकर साहब, टैक्स का रेट तो बढता जा रहा है लेकिन आमदनी घटती जा रही है । मैं यह जानना चाहता हूं कि इसका क्या कारण है?

**श्री अध्यक्ष :** मन्त्री महोदय तो मानते ही नहीं हैं कि आमदनी घट रही

**श्री जगदीश नेहरा :** मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि सेल्ज टैक्स की चोरी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है उसको रोकने के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है

**श्री श्रीकिशन दास :** स्पीकर साहब, बैरियर्ज पर हमने सख्ती की है और छापे भी मारे हैं । इस सख्ती की वजह से ही हमारी औसतन एक करोड़ रुपए महीने की आमदनी बढ़ी है ।

**सेठ राम दास धमीजा :** क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे – कि पिछले साल ट्रकों से कितनी आमदनी थी और अब कितनी आमदनी है?

**श्री श्रीकिशन दास :** मैम्बर साहब सेल्ज टैक्स की बात पूछे, ट्रकों की बात न पूछें ।

**श्री जगदीश नेहरा :** क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि सेल्स टैक्स के जितने औफिसर्ज हैं, क्या उनकी मौनिटोरिंग की जाती है और अगर की जाती है तो कैसे की जाती है?

**श्री श्रीकिशन दास :** जो ऊपर के औफिसर्ज है वे नीचे के अफसरों की जहां वे काम करते है, जांच करते हैं ।

**चौधरी इन्द्र सिंह नैन :** क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1985–86 और 1986–87 में कितनी फर्म्ज पर छापे मारे गए और उनमे कितना अमाउन्ट रिकवर हुआ?

**श्री श्रीकिशन दास :** अलग से नोटिस दे दीजिए फिर जवाब दे देंगे ।

**श्री निहाल सिंह :** स्पीकर साहब, जो जवाब सदन की मेज पर रखा गया है उसका देखने से पता लगता है कि 1986–87 में ग्यारह हजार लाख रुपए की कम वसूली हुई है । क्या मच्छी महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इस कमी का कहीं यह तो कारण नहीं है कि सैयां भए कोतवाल फिर डर काहे का?

**श्री श्रीकिशन दास :** स्पीकर साहब, कभी नहीं, 1 करोड़ औसतन प्रति मास वृद्धि है । अभी पांच महीने बाकी रह गए हैं और इन्हीं पांच महीनों में ज्यादा टैक्स आता है ।

**चौधरी लीला कृष्ण :** क्या मन्त्री महोदय– वताने की कृपा करेंगे कि ट्रकों और कारों पर सेल्ज टैक्स की जो दर हरियाणा में है, क्या वही दर दूसरी स्टेटों में भी है?

**श्री श्रीकिशन दास :** स्पीकर साहब, कुछ प्रान्त है जिन्होंने सेल्ज टैक्स की दर घटा दी थी और हमने भी हाल ही में मारुति कार पर सेल्ज टैक्स की दर घटा दी थी लेकिन उसका भी कोई खास अमर नहीं पड़ा ।

**श्री जगदीश नेहरा :** स्पीकर साहब, बहुत सी जगह ऐसी है, जहां इनके डिपार्टमैंट की ओर से छापे मारे जाते हैं । उन पार्टीज को पहले पता लग जाता है । कग मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या कोई ऐर्नें उपाय निकालेंगे जिनसे रेड्ज का पार्टीज को पता न लगे '

**श्री श्रीकिशन दास :** स्पीकर साहब रेड्ज का किसी को पता नहीं लगता । हम प्रोग्राम चण्डीगढ़ से वनाते हैं और उसका किसी को पता नहीं होता।

**चौधरी अजमत खां :** स्पीकर साहब, सरकार ने मारुति कार पर सेल्ज टैक्स का रेट घटाया है । मारुति कार सिर्फ हरियाणा में बनती है । मेरी सुजैशन यह है कि सरकार ट्रैक्टर्ज पर टैक्स घटाए फिर देखे कि कितने ट्रैक्टज यहां पर बिकते हैं ।

**श्री श्रीकिशन दास :** स्पीकर साहब, हमने मारुति पर टैक्स घटाया लेकिन फिर भी उन्होंने यहां पर डिपो औफिस (हरियाणा में ) नहीं खोले, उन्हेने बाहर औफिस खोले हैं ।

**श्री अध्यक्ष :** अब क्वैश्चन आवर समाप्त होता है ।

## अतारॉंकित प्रश्न एवं उत्तर

### Opening of Depots for the distribution of Essential Commodities

**221. Shri Jagdish Nehra :** Will the Minister of State for Food and Supplies be pleased to state—

(a) the total number of Fair price Shops/Depots opened for the distribution of essential commodities during the years 1985-86 and 1986-87 to-date in the State ; and

(b) whether the Fair Price Shops/Depots opened in the State so far are sufficient to meet the demand of the population of the State; if not, whether there is any proposal under consideration of the Government to open more such shops in the State?

**खाद्य एवं पूर्ति राज्य मन्त्री (राव इन्द्र जीत सिह ) :**

(क ) वर्ष 1985–86 में कुल 215 उचित मूल्य की दुकानें तथा वर्ष 1986–87 में (दिनांक 3 1– 10–86 तक ) कुल 185 दुकानें खोली गई थीं ।

(ख ) हां, श्रीमान जी ।

**Distribution of seeds to Farmers**

**222. Shri Jagdish Nehra :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) the total quantity of seed of cotton, wheat, rice and gram distributed to the farmers, separately, during the years 1984-85, 1985-86 and 1986-87 to-date?

(b) whether there is any shortage of said seed at present in the State; and

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the steps being taken to meet the said shortage?

**कृषि मन्त्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी) :**

( क ) मात्रा क्विटलों में

| क्रम सं० | फसल | 1984–85 | 1985–86 | 1986–87 ( 31– 10– 86 तक) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | कपास | 4103 | 11879 | 13622 |
| 2. | गेहूं | 79834 | 96988 | 11232 |
| 3. | चावल ( धान ) | 22058 | 19739 | 18349 |
| 4. | चना | 4653 | 7193 | 2271 |

(ख) जी नहीं ।

(ग) भाग (ख) पर दिए गए उत्तर के दृष्टिगत प्रश्न ही नहीं उठता ।

**अध्यक्ष द्वारा घोषणा–**

**(1 ) पैनल आफ चेयरमैन**

**16.00 बजे**

**श्री अध्यक्ष :** मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रुल्ज आफ प्रोसीजर एन्ड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 13 ( 1 ) के अनुसार में फौलविंग मैम्बर्ज को पैनल आफ चेयरमैन में काम करने के लिये नोमिनेट करता हूं –

(1) श्री धर्मवीर गाबा ।

(2) श्री इन्द्र सिंह नैन ।

(3) श्री रोशन लाल आर्य ।

(4) श्री कंवल सिंह ।

(2) कमेटी आन पैटीशंज

**श्री अध्यक्ष :** मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 286 ( 1 ) के अनुसार मैं फौलविग मैम्बर्ज को कमेटी आन पैटीशंज में काम करने के लिये नोमीनेट करता हूं –

(1) चौधरी वेद पाल, उपाध्यक्ष, पदेन सभापति ।

(2) श्री बलवीर सिंह ग्रेवाल ।

(3) श्री ओम प्रकाश महाजन ।

(4) श्री जगदीश नेहरा ।

(5) श्री रोशन लाल आर्य ।

## अनुपस्थिति की अनुमति

**श्री अध्यक्ष :** मैम्बर साहेबान, मुझे चौधरी नेकी राम एम ० एल० ए० की ओर से एक लैटर मिला है जिसमें उन्होंने लिखा है कि वे बीमार हैं, हस्पताल में हैं, इसलिये इस सैशन के लिये उनकी गैर–हाजरी माफ की जाए ।

Question is -

That permission for leave of absence for the current Session be granted.

The motion was carried.

## सचिव द्वारा घोषणा–

कांस्टीच्यूशन ( 54वां अमैंडमैंट ) बिल, 1986 की रैटीफिकेशन संबंधी

**श्री अध्यक्ष :** मैम्बर साहेबान अब सैक्रेट्री साहब अनाउन्समैंट करेंगे ।

**Secretary :** Sir, I beg to lay on the Table of the House a copy each of the following documents received from the Council of States regarding the ratification of the Constitution (Fifty-fourth Amendment) Bill, 1986 :—

(i) Letter dated the 29th August, 1986, received from the Secretary General, Rajya Sabha, New Delhi;

(ii) The Constitution (Fifty-fourth Amendment)

Bill, 1986, (English and Hindi versions), as introduced in the House of People;

(iii) The Constitution (Fifty-fourth Amendment) Bill, 1986, (English and Hindi versions), as passed by the Houses of Parliament;

(iv) Lok Sabha Debate on the Constitution (Fifty-fourth Amendment) Bill, 1986 ; and

(v) Rajya Sabha Debate on the Constitution (Fifty-fourth Amendment) Bill, 1986.

## बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट

**श्री अध्यक्ष :** अब मैं वेरियस बिजनैस के बारे में बिजनैस एडवाइजरी कमेटी द्वारा बनाया गया टाईम टे बल रिपोर्ट करता हूं —

"The Committee met at 11.00 A.M. on Tuesday, the 25th November, 1986, in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly, whilst in session, shall meet on Monday at 2.00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. and on Tuesday, Wednesday, Thursday and Friday at 9.30 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. without question being put.

The Committee further recommends that on Tuesday, the 25th November, 1986 the Assembly, shall meet at 2.00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. and on Wednesday, the 3rd December, 1986, the Assembly shall meet at 9.30 A.M. and adjourn after the conclusion of the business entered on

the list of Business for the day.

The Committee, after some discussion, also recommends that the business on 25th to 28th November, 1986 and Ist to 3rd December, 1986 be transacted by the Sabha as follows :—

| | | |
|---|---|---|
| Tuesday, the 25th November, 1986 (2.00 P.M.) | | Oath/Affirmation by Members. |
| | | Obituary references. |
| | | Questions Hour. |
| | | Presentation and adoption of<br>the First Report of the Business Advisory Committee. |
| | | Papers to be laid/re-laid on the Table of the House. |
| | | Presentation of Supplementary Estimates (First Instalment) 1986-87 and the Report of the Estimates Committee thereon. |
| | | Presentation of four Preliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final reports thereon. |

| | | |
|---|---|---|
| | | Leave to introduce and introduction of Government Bills. |
| Wednesday, the 26th. November, 1986 (9.30 A.M.) | | Questions Hour. |
| | | Discussion and voting on Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 1986-87. |
| Thursday, the 27th November, 1986 (9.30 A.M.) | | Questions Hour. |
| | | Non-official Business. |
| Friday, the 28th November, 1986 (9.30 A.M.) | | Questions Hour. |
| | | The Haryana Appropriation Bills, 1986 in respect of Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 1986-87. |
| Saturday, the 29th November, 1986 | | Off day. |
| Sunday, the 30th November, 1986 | | Holiday. |

| | | |
|---|---|---|
| Monday, the 1st December, 1986 (2.00 P.M.) | | Questions Hour. |
| | | Papers to be laid on the Table of the House. |
| | | Official Resolution. |
| | | Legislative Business. |
| Tuesday, the 2nd December, 1986 (9.30 A.M.) | | Questions Hour. |
| | | Legislative Business. |
| Wednesday, the 3rd December, 1986(9.30 A.M.) | 1. | Questions Hour. |
| | 2, | Motion under rule 15 regarding non-stop sitting. |
| | | Motion under rule 16 regarding adjournment, of the Sabha sine-die. |
| | | Presentation of Reports of the Assembly Committees, if any. |
| | | Legislative Business. |
| | | Other Business, if any." |

**श्री अध्यक्ष :** अब पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर प्रस्ताव पेश करेंगे कि हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडेशन्ज से सहमति प्रकट करता है ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ –

कि यह हाउस बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकमैन्डेशज के साथ सहमति प्रकट करता है ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है –

कि यह हाउस बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकमैन्डेशन्ज के साथ सहमति प्रकट करता है ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

## सदन की मेज पर रखे गए पुनः रखे गए कागज–पत्र

**श्री अध्यक्ष :** मिनिस्टर साहब, टेबल आफ दी हाउस पर पेपर्ज ले / री–ले करेगें

**(क ) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा–**

**Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher** Singh Surjewala) : Sir, I beg to lay on the Table—

The Haryana General Sales Tax (Third Amendment) Ordinance, 1986 (Haryana Ordinance No. 1 of 1986).

The Punjab Land Revenue (Haryana Amendment) Ordinance, 1986 (Haryana Ordinance No. 2 of 1986).

The Haryana Land Holdings Tax (Repeal) Ordinance, 1986. (Haryana Ordinance No. 3 of 1986).

The Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Amendment) Ordinance, 1986 (Haryana Ordinance No. 4 of 1986).

The Punjab Agricultural Produce Markets (Haryana Amendment) Ordinance, 1986 (Haryana Ordinance No. 5 of 1986).

The Haryana Co-operative Societies (Third Amendment) Ordinance, 1986 (Haryana Ordinance No. 6 of 1986).

The Indian Electricity (Haryana Amendment) Ordinance , 1986 (Haryana Ordinance No. 7 of 1986).

**( ख ) सचिव द्वारा ––**

**श्री अध्यक्ष :** मैम्बर साहेबान, अब सैक्रेटरी साहब टेवल आफ दी हाउस पर कुछ पेपर्ज री–ले करेंगे ।

**Secretary :** Sir, I relay on the Table the Haryana Legislative Assembly (Disqualification of Members on Ground

of Defection) Rules, 1986; framed by the Speaker, Haryana Legislative Assembly, in exercise of the powers conferred by paragraph 8 of the Tenth Schedule to the Constitution of India, as required under sub-paragraph (2) thereof.

## (ग ) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा–

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब टेबल आफ दी हाउस पर पेपर्ज ले? री ले करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) :

Sir, I re-lay on the Table the Health Department Notification No. G.S.R.2/P.A.16/65/S.53/85, dated the 27th December, 1985 regarding the Haryana Homoeopathic Practitioners (Election) Rules, 1985, as required under section 55 of the Punjab Homoeopathic Practitioners Act, 1965.

Sir, I also lay on the Table •

The 8th Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited for the year 1981-8Z as required under sectian 619-A(3) of -the Companies Act, 1956.

The 9th Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited for the year 1982-83, as required under section 619-A (3) of the Companies Act, 1956.

The 10th Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited for the year

1983-84, as required under section 619-A (3) of the Companies Act, 1956.

The 11th Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited for the year 1984-85, as required under section 619-A (3) of the Companies Act, 1956.

The Annual Report of the Haryana Agricultural University, Hissar for the year 1982-83, as required under section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Annual Report of the Haryana Agricultural University, Hissar for the year 1983-84, as required under section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Grant Utilisation Certificate and Audit Report of Haryana Agricultural University, Hissar for the year 1982-83, as required under section 34(5) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Grant Utilisation Certificate and Audit Report of Haryana Agricultural University, Hissar for the year 1983-84, as required under section 34(5) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The 15th Animal Report and Account of the Haryana Agro-Industries Corporaration Ltd. for the year 1981-82, as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The 16th Annual Report and Accounts of the Haryana Agro-Industries Corporation Ltd. for the year 1982-

83,' as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The 17th Annual Report and Accounts of the Haryana Agro-lndustries Corporation Ltd. for the year 1983-84, as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The 10th Annual Report and Accounts for the year 1983-84 of the Haryana Seeds Development Corporation Ltd., as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The 11th Annual Report and Accounts for the year 1984-85 of the Haryana Seeds Development Corporation Ltd., as required under secIion 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The Annual Report of the Haryana State Board for the Prevention and Control of Water Pollution for the year 1978-79, as required under section 39(2) of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974.

The Annual Report of the Haryana State Board for the Prevention and Control of Water Pollution for the year 1979-80, as required under section 39(2) of, the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974.

The 18th Annual Report of the Haryana State Industrial Development Corporation Ltd. for the year 1984-85, as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The 18th Annual Report of the Haryana

Warehousing Corporation for the year, 1984-85, as required under section 31(H) of the Warehousing Corporations Act, 1962.

The 9th Annual Report of the Haryana Tourism Corporation Ltd. for the year 1982-83' as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The Annual Report on the working of the Haryana Public Service Commission for the year 1982-83, as required under Article 323(2) of the Constitution of India,

The Annual Report on the working of the Haryana Public Service Commission for the year 1983-84, as required under Article 323(2) of the Constitution of India.

The Annual Financial Statement for the year 1986-87 and revised Estimates for the year 1985-86 of the Haryana State Electricity Board as required under section 61 of the Electricity (Supply) Act, 1948.

The 18th Annual Statement of Account& for the year 1984-85 of the Haryana State Electricity Board as required under section 69 (4&5) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1984-85 (Revenue Receipts) relating to the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1984-85 (Commercial) relating to the Government of Haryana in pursuance of the provisions of

Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The General Administration Department Notification No. G.S.R. 45/Const./ Art. 320/Amd. (1)/86, dated the 3rd June, 1986 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) First Amendment Regulations, 1986, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General AdminisIration Department Notification No. G.S.R. 46/H.A. 3/ 70/S. 8&9/86, dated the 5th June, 1986 regarding the Haryana Ministers Travelling Allowance (First Amendment) Rules, 1986, as required under section 9(2) of the Haryana Salaries and Allowances of Ministers Act, 1970.

The Excise and Taxation Department Notification No.G.S.R. 34R/H.A.20/173/ S/64 Amd. (1st Amd,)/86, dated the 6th May, 1986 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1986, as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

## वर्ष 1986– 87 के लिए सप्लीमैंट्री एस्टीमेटस ( पहली किश्त ) पैश करना ।

**श्री अध्यक्ष :** अव फाइनैस मिनिस्टर 1986–87 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स (फर्स्ट इंस्टालमैंट) प्रेजैटं करेंगे ।

**Finance Minister** (Chaudhri Katar Singh Chhokar) : Sir, I beg to present the Supplementary Estimates (First instalment) 1986-87.

## एस्टीमेट्स कमेटी की वर्ष 1986– 87 के सप्लीमैट्री एस्टीमेट्स ( पहली किश्त ) पर रिपोर्ट पेश करना

**श्री अध्यक्ष :** अब श्री विजय वीर सिंह, एम० एल० ए०, चेयरमैन, एस्टीमेटस कमेटी वर्ष 1986–87 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेटस (फर्स्ट इंस्टालमैंट ) पर एस्टीमेटस कमेटी की रिपोर्ट प्रैजैटं करेंगे ।

**Rao Vijai Vir 'Singh** (Chairman, Estimates Committee) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates (First Instalment) 1986-87.

## ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलो सम्बन्धी प्रिविले जिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पेश करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पेश करने के लिए समय बढ़ाना।

**(1) 24– 5– 1982 को राजभवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल, एम०एल० ए० के विरुद्ध ।**

**श्री अध्यक्ष :** अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम० एल० ए०, चेयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी, 24 मई, 1982 को राज भवन में चौधरी देवी लाल, एम० एल० ए० द्वारा गवर्नर आफ हरियाणा की, अलैज्ड इंसल्ट, ऐव्यूज एंड मैन–हैंडलिंग के इशू पर कमेटी की दसवीं प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रैजैट करेंगे तथा कमेटी की फाइनल रिपोर्ट पेश करने के सिए टाइम एक्सटैंशन का मोशन मूव करेगे ।

**Chaudhri Inder Singh Nain** (Chairman, Committee of Privileges) : Sir, I beg to present the Tenth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged **breach** of privilege against Chaudhri Devi Lal, M.L.A., for alleged insulting, abusing and man-handling the Governor of Haryana in. Raj Bhawan on the 24th May, 1982.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ –

कि कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रेजैटं करने के लिए नैक्सट सैशन की फर्स्ट सिटिंग तक टाइम एक्सटैडं कर दिया जाए ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है –

कि कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रेजैट करने के लिए नैक्सट सैशन की फर्स्ट सिटिंग तक टाइम एक्सटैंड कर दिया जाए ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**(2) 24 – 6– 1982 को सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के अवसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल, एम०. एल ० ए ० के विरुद्ध ।**

**श्री अध्यक्ष :** अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम ० एल ० ए ०, चेयरमैन, प्रिविलेजिज कमेटी, 24 जून, 1982 को चौधरी देवी लाल, एम ० एल ० ए० के अलैज्ड मिस–कंडक्ट आन दि ईव आफ गवर्नर्ज एड्रैस टू दि हाउस के इशू पर कमेटी की दसवी प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रैजैंट करेंगे तथा कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रैजैंट करने के लिये टाइम एक्सटैन्शन का मोशन मूव करेंगे ।

**Chaudhri Inder Singh Nain** (Chairman, Committee of Privileges) Sir, I beg to present the %Tenth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to question of alleged breach of privilege against Chaudhri Devi Lal, M.L.A., regarding his alleged miscounduct on the eve of Governor's Address to the House on the 24th June, 1982.

Sir, I also beg to move

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ––

कि कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रैजैंट करने के लिये नैक्सट सैशन की' फर्स्ट सिटिंग तक टाइम एक्सटैन्ड कर दिया जाए ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है–

कि कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रेजैटं करने के लिये नैक्सट सैशन की फर्स्ट सिटिंग तक टाइम एक्सटैन्ड कर दिया जाए ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**(3 ) चौधरी हरद्वारी माल, भूतपूर्व प–कुलपति, महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक के विरुद्ध ।**

**श्री अध्यक्ष :** अब चौधरी इन्द्र सिह नैन,, एम० एल० ए ०, चेयरमैन, प्रिबिलेजिंज कमेटी क्वैश्चन साफ अलैज्ड ब्रीच आफ प्रिविलेज अगेन्स्ट चौधरी हरद्वारी लाल, एक्स बाइस चांसलर महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक, फार हिज राइटिंग ए बुकलैट 'लैजिसलैचर, जुडिशयरी, प्रैस एन्ड यूनिवसिटीज' कास्टिंग एस्पर्शन्ज आन दि मैम्बर्ज एन्ड लोअरिंग दि इमेज एंड प्रैस्टिज आफ दि हाउस एंड इट्स मैम्बर्ज के इशू पर कमेटी की आठवीं प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रैजैटं करेंगे तथा कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रेजंट करने के लिये टाइम एक्मटैंशन का मोशन मूव करेंगे ।

**Chaudhri Inder Singh Nain** (Chairman, Committee of Privileges) : Sir, 1 beg to present the Eighth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Chaudhri Hardwari Lal, Ex-Vice-Chancellor, Maharshi Dayanand University, Rohtak for his writing a book-let "Legislature,

Judiciary, Press and Universities" casting aspersions on the Members and lowering the image and prestige of the House and its Members.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ–

कि कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रैजैटं करने के लिये नैक्सट सैशन की फर्स्ट सिटिंग तक टाइम एक्सटैंड कर दिया जाए ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है – कि कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रैजैटं करने के लिये नैक्मट सैशन की फर्स्ट सिटिंग तक टाइम एक्सटैडं कर दिया आए ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**( 4 ) 16–9–1985 के दैनिक इडियन एक्सप्रैस में छपे एक समाचार के सम्बन्ध में डा ० भीम सिंह पहिया, एम० एल० ए० के विरुद्ध ।**

**Mr. Speaker :** Now Chaudhri Inder Singh Nain, M.L.A. Chairman. Privileges Committee. Question of

********** Dr. Bhim Singh Dahiya, M.L.A. in respect of a news item in daily Indian Express dated 16th September, 1985, captioned "Lok Dal M.L. As . refuse to meet the Speaker" casting reflection on the impartiality of the Speaker in the discharge of his duties के इशू पर कमेटी की थर्ड प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रैजैंट करेंगे तथा कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रैजैंट करने के लिये टाइम एक्सटैंशन का मोशन मू व करेंगे ।

**Chaudhri Inder Singh Nain** (Chairman, Committee of Privileges) : Sir, I beg to present the Third Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Dr. Bhim Singh Dahiya, M.L.A., in respect of a news item in daily Indian Express dated 16th September, 1985, captioned "Lok Dal M.L.As. refuse to meet the Speaker" casting reflection on the impartiality of the Speaker in the discharge of his duties.

I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ – कि कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रैजैट करने के लिये नैक्सट सैशन की फर्स्ट मिटिंग तक टाइम एक्सटैडं कर दिया जाए ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है –

कि कमेटी की फाइनल रिपोर्ट प्रैजैटं करने के लिय नैक्सट सैशन की फर्स्ट सिटिंग तक टाइम एक्सटैडं कर दिया जाए ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**बिल्ज ( इन्ट्रोडयूस्ड–सदन की अनुमति से )**

**( 1 ) वि हरियाणा सीलींग आम लैण्ड होलडिंग्ज (अमैंडमैंट) बिल, 1986**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि हरियाणा सीलिंग ओन लैंड होलडिंग्ज (अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने के लिए हाउस से परमिशन लेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):

Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Haryana Ceiling on Land Holdings (Amendment) Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि––

दि हरियाणा सीलिंग आन लैड होलडिंग्ज (अमैंडमैंट )बिल, 1986, को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाये –

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि हरियाणा सीलिंग आन लैड होलडिंग्ज (अमैंडमैंट ) बिल, 1986, को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब बिल इन्ट्रोड्यूस करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister : (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):** Sir, I introduce the Bill.

**( 2 ) दि पंजाब एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1986**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि पंजाब एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेंगे।

**Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):** Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Punjab Agricultural Produce Markets (Haryana Amendment) Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि पंजाब एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाये ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि पंजाब एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब बिल इन्ट्रोड्यूस करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister (Chaudhri** Shamsher Singh Surjewala): Sir, I introduce the Bill.

## (3) दि हरियाणा डिवैल्पमैंट एंड रैगुलेशन आफ अर्बन एरियाज ( अमैंडमैंट ) बिल, 1986

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि हरियाणा डिवैल्पमैंट एंड रैगुलेशन आफ अर्बन एरियाज ( अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने के लिए हाउस से परमिशन लेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Amendment) Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि हरियाणा डिवैल्पमैंट एंड रैगुलेशन आफ अर्बन एरियाज ( अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने के लिये परमिशन दी जाये ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि –

दि हरियाणा डिवैल्पमैट एंड रैगुलेशन आफ अर्बन एरियाज ( अमैंडमैंट ) बिल 1986 को इन्ट्रोडयूस करने के लिये परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब बिल इन्ट्रोडयूस करेगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I introduce the Bill.

## (4) दि फरीदाबाद कम्पलैक्स ( रेगुलेशन एंड डिवैल्पमैंट ) अमैंडमैंट बिल, 1986

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुलेशन एंड डिवैल्पमैंट ) अमैंडमैंट बिल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Faridabad

Complex (Regulation and Development) Amendment Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि –

दि फरीदाबाद कम्पलैक्स ( रैगुलेशन एंड डिवैल्पमैंट ) अमैंडमैंट बिल, 1986 को इट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाये ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि फरीदाबाद कम्पलैक्स ( रैगुलेशन एंड डिवैल्पमैंट ) अमैंडमैंट विल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने को परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब बिल इट्रोडयूस करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I introduce the Bill.

**(5) दि हरियाणा फोरस्ट डिवैल्पमैंट (रिपील) बिल, 1986**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि हरियाणा फारेस्ट डिवैल्पमैंट (रिपील ) बिल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेगें ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Haryana Forest Development (Repeal) Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि हरियाणा फारेस्ट डिवैल्पमैंट (रिपील) बिल, 1986 को इडोड्यूस करने की परमिशन दी जाये ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि हरियाणा फारेस्ट डिवैल्पमैंट (रिपील ) बिल, 1986 को इट्रोड्यूम करने की परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब बिल इट्रोड्यूस करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I introduce the Bill.

## (6) दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (थर्ड अमैंडमैंट) बिल, 1986

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (थर्ड अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Haryana General Sales Tax (Third Amendment) Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हआ कि–

दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (थर्ड अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (थड अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब बिल इन्ट्रोड्यूस करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I introduce the Bill.

(7) दि हरियाणा कोआप्रेटिव सोसाइटीज (थर्ड अमैंडमैंट) बिल, 1986

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि हरियाणा कोआप्रेटिव सोसाइटीज (थर्ड अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने के लिए हाउस से परमिशन लेगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Haryana Co-operative Societies (Third Amendment) Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि हरियाणा कोआप्रेटिव सोसाइटीज (थर्ड अमैंडमैंट) बिल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाये।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि हरियाणा कोआप्रेटिव सोसाइटीज ( थर्ड अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को ड्न्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब बिल डन्ट्रोडयूस करगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I introduce the Bill.

**(8 ) दि पंजाब लंड रेवैन्यू (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1986**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि पंजाब लैंड रेवेन्यू (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने के लिए हाउस से परमिशन लेगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Punjab Land Revenue (Haryana Amendment) Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि पंजाब लेड रेवैन्यू (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाये ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि पंजाब लैड रेवैन्यू (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिम्टर साहब बिल ड्न्ट्रोड्यूस करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewata): Sir, I introduce the Bill.

**( 9 ) दि हरियाणा लंड होलडिंग्ज टैक्स (रिपील ) बिल, 1986**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि हरियाणा लेड होलडिंग्ज टैक्स (रिपील ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Haryana Land Holdings Tax (Repeal) Bill. 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि हरियाणा लैड होलडिग्ज टैक्स (रिपील ) बिल. 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाये ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि हरियाणा लैड होलडिग्ज टैक्स (रिपील ) विरर, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहव दिल इन्ट्रोड्यूस करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I introduce the Bill.

**( 10 ) दि इण्डियन स्टैम्प (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि इण्डियन स्टैम्प (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Indian Stamp (Haryana Amendment) Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि इण्डियन स्टैम्प (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाये ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि इण्डियन स्टैम्प (हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब बिल को इन्ट्रोड्यूस करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I introduce the Bill.

( 11 ) दि इण्डियन इलैक्ट्रीसिटी ( हरियाणा अमैंन्डमैंट ) बिल, 1986

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब दि इण्डियन इलैक्ट्रीसिटी ( हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Indian Electricity (Haryana Amendment) Bill, 1986.

**श्री अध्यक्ष :** प्रस्ताव पेश हुआ कि– दि इण्डियन इलैक्ट्रीसिटी ( हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1988 को इन्ट्रीडयूस करने की परमिशन दी जाये ।

**श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है कि–

दि इण्डियन इलैक्ट्रीसिटी ( हरियाणा अमैंडमैंट ) बिल, 1986 को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाये ।

**प्रस्ताव स्वीकृत हुआ**

**श्री अध्यक्ष :** अब मिनिस्टर साहब बिल को इन्ट्रोडयूस करेंगे ।

**Irrigation and Power Minister** (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, **I** introduce the Bill.

**श्री अध्यक्ष :** अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक एडजर्न किया जाता है ।

**16. 32 बजे**

(तत्पश्चात् सदन बुधवार 26 नवम्बर, 1986 को प्रातः 9 30 बजे तक के लिए 'स्थगित हुआ )